CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY
KANPUR

Four Year Undergraduate Programme (FYUP)

HINDI

Syllabus of

4 YEAR B.A. (HONOURS)

4 YEAR B.A. (HONOURS WITH RESEARCH)

AND

4+1 YEAR (B.A. HONOURS/ B.A. HONOURS WITH RESEARCH + M.A.) IN HINDI

SESSION 2025-2026 ONWARDS

उच्च शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020

सभी उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के लिए चार वर्षीय उच्च शिक्षा स्नातक कार्यक्रम (FYUP) और स्नातकोत्तर (पी0जी0) के लिए समान न्यूनतम पाठ्यक्रम

2025

सिद्धांत और व्यावहारिक पत्रों के लिए प्रस्तावित पाठ्यक्रम चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (FYUP) और स्नातकोत्तर (पी0जी0)

सी0एस0जे0एम0 विश्वविद्यालय, कानपुर

विषयः हिन्दी

प्रो0 ऋतंभरा

प्राचार्य, आचार्य नरेन्द्र देव नगर निगम,
महिला महाविद्यालय, हर्ष नगर कानपुर

संयोजक (हिन्दी)

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

निवास– 117 Q/253

शारदा नगर, कानपुर
मो0 न0–9918277910

ई–मेल – ritambhara1503@gmail.com

कार्यवृत्त

7 जून 2025 को दोपहर 3:00 बजे से 4:00 बजे तक बोर्ड ऑफ स्टडीज, (पाठ्यक्रम समिति) हिन्दी की वर्चुअल मीटिंग के मिनट्स।

लिंक संयोजक, हिन्दी, सी0एस0जे0एम0 यूनिवर्सिटी, कानपुर द्वारा प्रदान किया गया।

संयोजक –

1– प्रोफेसर ऋतंभरा, /प्राचार्य– आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय, कानपुर

आंतरिक सदस्य –

2– प्रोफेसर अरविंद के0 यादव, आचार्य–चौधरी चरण सिंह डिग्री कॉलेज, हेवरा, इटावा

3– प्रोफेसर राकेश कुमार शुक्ल, आचार्य एवं अध्यक्ष हिन्दी विभाग,वी0 एस0 एस0 डी0 कॉलेज, कानपुर

4– प्रोफेसर इंदु यादव, आचार्य एवं अध्यक्ष हिन्दी विभाग, डी0 जी0 कॉलेज,कानपुर

बाह्य सदस्य –

5– प्रोफेसर पवन अग्रवाल, आचार्य एवं अध्यक्ष लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

6– प्रोफेसर कुमुद शर्मा,आचार्य दिल्ली विश्वविद्यालय,दिल्ली

7– प्रोफेसर सर्वेश कुमार सिंह, आचार्य बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ

8– प्रोफेसर अवनिजेश अवस्थी, आचार्य डी0 ए0 वी0 पी0 जी0 कॉलेज,दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

विशेष आमंत्रित सदस्य

9– प्रोफेसर राजेश कुमार तिवारी,आचार्य एवं अध्यक्ष हिन्दी विभाग, डी0 ए0 वी0 कॉलेज,कानपुर

10– डॉ0 यतीन्द्र सिंह, सहायक आचार्य,हिन्दी विभाग– डी0 ए0 वी0 कॉलेज

कृ0पृ0प0.....

प्रो0 ऋतंभरा

प्राचार्य, आचार्य नरेन्द्र देव नगर निगम,
महिला महाविद्यालय, हर्ष नगर कानपुर

संयोजक (हिन्दी)

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

निवास– 117 Q/253

शारदा नगर, कानपुर
मो0 न0–9918277910

ई–मेल – ritambhara1503@gmail.com

पाठ्यक्रम समिति के अन्य तीन सम्मानित सदस्य जो वर्चुअल बैठक में नहीं सम्मिलित हो सके उनकी सहमति भी इस पाठ्यक्रम हेतु प्राप्त हो गई थी वे सदस्य हैं–

1- प्रो0 कृष्ण शर्मा, प्राचार्य, डी0 ए0 वी0 कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

2- प्रोफेसर अवनिजेश अवस्थी,आचार्य डी0 ए0 वी0 पी0 जी0 कॉलेज,दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

3- प्रोफेसर सुनील बाबूराव कुलकर्णी, निदेशक,केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

आरम्भ में संयोजक प्रो0 ऋतम्भरा ने सभी समिति के सदस्यों का एक–दूसरे का संक्षिप्त परिचय देकर स्वागत किया। उन्होने वर्तमान पाठ्यक्रम स्वरूप/संरचना **(FYUP)** से अवगत कराया।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय,कानपुर हिन्दी विषय के चार वर्षीय उच्च शिक्षा स्नातक कार्यक्रम (FYUP) एवं स्नातकोत्तर(पी0जी0) के लिए समान न्यूनतम पाठ्यक्रम निर्माण हेतु 'पाठ्यक्रम समिति' की दिनांक 07 जून 2025 को अपराह्न 03:00 बजे हिन्दी विषय की संयोजक प्रोफेसर ऋतंभरा की अध्यक्षता में वर्चुअल माध्यम से बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में निम्न सदस्य उपस्थित रहे :–

बैठक में प्रस्तावित मिनट्स निम्नवत् हैं :–

1– सर्वप्रथम संयोजक प्रोफेसर ऋतंभरा द्वारा पाठ्यक्रम समिति के समवेत प्रयास से हिन्दी विषय के निर्मित पाठ्यक्रम को सभी के समक्ष प्रस्तुत किया।

प्रो0 ऋतंभरा
प्राचार्य, आचार्य नरेन्द्र देव नगर निगम,
महिला महाविद्यालय, हर्ष नगर कानपुर
संयोजक (हिन्दी)
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

निवास– 117 Q/253
शारदा नगर, कानपुर
मो0 न0–9918277910
ई–मेल – ritambhara1503@gmail.com

2– प्रोफेसर राकेश कुमार शुक्ल ने पूर्व के संचालित पाठ्यक्रम से शासन एवं विश्वविद्यालय की मंशा के अनुरूप हिन्दी के स्नातक/परास्नातक तक के समस्त सेमेस्टर के पाठ्यक्रम को बनाया गया है, इस पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के स्थानीय साहित्यकारों गिरिराज किशोर का उपन्यास 'बा' एवं चतुर्थ तारसप्तक की कवयित्री डॉ0 सुमनराजे की कविता पाठ्यक्रम में सम्मिलित की गई है।

3– प्रोफेसर पवन अग्रवाल ने कानपुर परिक्षेत्र के अनुरूप इस पाठ्यक्रम को आंशिक संशोधन करके प्रस्तुत करने की सहमति प्रदान की।

4– प्रोफेसर सर्वेश कुमार सिंह ने लोक साहित्य के प्रश्नपत्र के निर्माण में आवश्यक सुझाव प्रदान किए।

5– प्रोफेसर कुमुद शर्मा ने नागार्जुन की कविता 'सिन्दूर तिलतित भाल' सम्बद्ध करने का सुझाव दिया जिसे समिति ने स्वीकार कर लिया।

6–प्रोफेसर अरविंद कुमार यादव ने निर्मित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को छात्रोपयोगी बताया।

7– प्रोफेसर इंदु यादव ने कहा कि पाठ्यक्रम निर्माण में हर यूनिट में क्रेडिट की समानता का ध्यान रखा गया है।

8– प्रोफेसर राजेश कुमार तिवारी ने कहा कि इस बार के पाठ्यक्रम में परास्नातक स्तर पर भाषा–विज्ञान को समुचित स्थान दिया गया है।

9– डॉ0 यतीन्द्र सिंह ने सभी सदस्यों की पाठ्यक्रम सम्बन्धित शंकाओं का विस्तार से निवारण किया।

कृ0पृ0प0.....

प्रो0 ऋतंभरा

प्राचार्य, आचार्य नरेन्द्र देव नगर निगम,
महिला महाविद्यालय, हर्ष नगर कानपुर

संयोजक (हिन्दी)

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

निवास– 117 Q/253

शारदा नगर, कानपुर
मो0 न0–9918277910

ई–मेल – ritambhara1503@gmail.com

10– पाठ्यक्रम समिति के अन्य तीन सदस्यों प्रोफेसर कृष्ण शर्मा, प्रोफेसर अवनिजेश अवस्थी एवं प्रोफेसर सुनील बाबूराव कुलकर्णी को संयोजक द्वारा नव निर्मित पाठ्यक्रम वाट्सअप के माध्यम से प्रेषित करके उनकी सहमति भी ले ली गई है।

इस प्रकार सर्व–सम्मति से छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के चार–वर्षीय स्नातक (FYUP) एवं स्नातकोत्तर(पी0जी0)के लिए समान न्यूनतम पाठ्यक्रम को पाठ्यक्रम समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान कर दिया गया।

प्रोफेसर ऋतंभरा
संयोजक–हिन्द पाठ्यक्रम समिति
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय,कानपुर

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय

हिन्दी पाठ्यक्रम निर्माण समिति (2025)

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विभाग	कॉलेज का नाम/विश्वविद्यालय का नाम	सदस्य	हस्ताक्षर
1	प्रो0 ऋतंभरा	प्राचार्य,	हिन्दी	आचार्य नरेन्द्र देव नगर निगम महिला महाविद्यालय, हर्ष नगर,अध्यक्ष/संयोजक छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर	संयोजक	
2	प्रो0 अरविन्द के0 यादव	आचार्य	हिन्दी	चौधरी चरण सिंह डिग्री कॉलेज हैबरा, इटावा	सदस्य	
3	प्रो0 राकेश कुमार शुक्ल	आचार्य एवं अध्यक्ष	हिन्दी	वी0 एस0 एस0 डी0 कॉलेज, कानपुर	सदस्य	
4	प्रो0 इन्दू यादव	आचार्य एवं अध्यक्ष	हिन्दी	डी0 जी0 पी0 जी0 कॉलेज, कानपुर	सदस्य	
5	प्रो0 पवन अग्रवाल	आचार्य	हिन्दी	लखनऊ विश्वविद्यालय, कानपुर	सदस्य	
6	प्रो0 अवनिजेश अवस्थी	आचार्य	हिन्दी	डी0 ए0 वी0 कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	सदस्य	
7	प्रो0 कुमुद शर्मा	आचार्य	हिन्दी	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	सदस्य	
8	प्रो0 सर्वेश कुमार सिंह	आचार्य	हिन्दी	बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय,लखनऊ	सदस्य	
9	प्रो0 कृष्ण शर्मा	प्राचार्य	हिन्दी	डी0 ए0 वी0 कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय,दिल्ली	सदस्य	Krishna Sharma
10	प्रो0 सुनील बाबू राव कुलकर्णी	निर्देशक	हिन्दी	केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा	सदस्य	
11	प्रो0 राजेश कुमार तिवारी	आचार्य एवं अध्यक्ष	हिन्दी	डी0 ए0 वी0 पी0 जी0 कॉलेज, कानपुर	विशेष आमंत्रित सदस्य	
12	डॉ0 यतींद्र सिंह कुशवाहा	सहायक आचार्य	हिन्दी	डी0 ए0 वी0 पी0 जी0 कॉलेज, कानपुर	विशेष आमंत्रित सदस्य	

प्रा0 ऋतभरा
संयोजक

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर

के स्नातक पाठ्यक्रम के प्रश्नपत्रों के सेमेस्टरवार प्रश्नपत्र (2025)

विषय : हिन्दी

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/प्रयोगात्मक	क्रेडिट्स
बी०ए० प्रथम वर्ष	प्रथम	A010101T	हिन्दी काव्य	लिखित	06
	द्वितीय	A010201T	कार्यालयी हिन्दी लिखित और कम्प्यूटर (संगणक)	लिखित	06
बी०ए० द्वितीय वर्ष	तृतीय	A010301T	हिन्दी गद्य	लिखित	06
	चतुर्थ	A010401T	हिन्दी अनुवाद	लिखित	06

- स्नातक स्तर पर चतुर्थ सेमेस्टर में या द्वितीय वर्ष के बाद ग्रीष्मावकाश में विद्यार्थी द्वारा चयनित दो मुख्य विषयों में से किसी एक विषय से सम्बन्धित तीन क्रेडिट की एक शोध परियोजना Research project / Intership / Field Work / Survey Work करना अनिवार्य होगा।

तृतीय वर्ष	पंचम	A010501T	साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	लिखित	05
	पंचम	A010502T	हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य	लिखित	05
	षष्ठ	A010601T	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	लिखित	05
	षष्ठ	A010602T	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	लिखित	05

चतुर्थ वर्ष

B.A HONOURS (मानद उपाधि)

Semester - VII

Sl. No.	Course code	Type	Course Tital	Credits	CIA	ESE	Max Marks
1	A010701TN	Core	हिन्दी काव्य का इतिहास	4	25	75	100
2	A010702TN	Core	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	25	75	100
3	A010703TN	Core	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	4	25	75	100
4	A010704TN	Core	आधुनिक काव्य	4	25	75	100
5	A010705TN	Core	भाषा एवं साहित्य शोध प्रविधि	4	25	75	100
6	A010706RN	Core	शोध परियोजना/लघु शोध	4	25	75	100

Semester - VIII

Sl. No.	Course code	Type	Course Tital	Credits	CIA	ESE	Max Marks
1	A010801TN	Core	हिन्दी गद्य का इतिहास	4	25	75	100
2	A010802TN	Core	हिन्दी नाटक तथा एकांकी	4	25	75	100
3	A010803TN	Core	हिन्दी कथा साहित्य	4	25	75	100
4	A010804TN	Core	कथेतर गद्य साहित्य	4	25	75	100
5	A010805TN	Elective	शोधात्मक लेखन	4	25	75	100
6	A010806RN	Core	शोध परियोजना/लघु शोध	4	25	75	100

अथवा

चतुर्थ वर्ष (शोध सहित स्नातक) –

- चतुर्थ वर्ष शोध सहित स्नातक मानद उपाधि हेतु विद्यार्थी को पंचम प्रश्नपत्र के स्थान पर अनिवार्य शोध परियोजना करनी होगी। यह शोध परियोजना सप्तम तथा अष्टम सेमेस्टर में चार–चार क्रेडिट होगी। चतुर्थ वर्ष शोध सहित उपाधि हेतु मात्र वे विद्यार्थी ही अर्ह होंगे जिनके प्रथम 6 सेमेस्टर में 75% से अधिक अंक होंगे।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर

के स्नातक पाठ्यक्रम के प्रश्नपत्रों के सेमेस्टरवार प्रश्नपत्र (2025)

विषय : हिन्दी

	Semester - IX						
परास्नातक	**Course code**	**Type**	**Course Tital**	**Credits**	**CIA**	**ESE**	**Max Marks**
	A010901TN	Core	आधुनिक हिन्दी साहित्य वैचारिकी	4	25	75	100
	A010902TN	Core	भाषा विज्ञान	4	25	75	100
	A010903TN	Elective	कबीरदास	4	25	75	100
	A010904TN		सूरदास	4	25	75	100
	A010905TN		तुलसीदास	4	25	75	100
	A010906TN		प्रेमचन्द	4	25	75	100
	A010907TN		आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	4	25	75	100
	A010908TN	Elective	हिन्दी रंगमंच	4	25	75	100
	A010909TN		साहित्य एवं सिनेमा	4	25	75	100
	A010910RN	Core	शोध परियोजना / लघु शोध	4	25	75	100
	Semester - X						
	Course code	**Type**	**Course Tital**	**Credits**	**CIA**	**ESE**	**Max Marks**
	A011001TN	Core	अस्मितामूलक विमर्श	4	25	75	100
	A011002TN	Elective	समाज भाषा विज्ञान	4	25	75	100
	A011003TN		भाषा प्रौद्योगिकी	4	25	75	100
	A011004TN	Elective	भारतीय साहित्य	4	25	75	100
	A011005TN		हिन्दी भाषी क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य	4	25	75	100
	A011006TN	Elective	समाचार : लेखन और प्रसारण	4	25	75	100
	A011007TN		लोक साहित्य और अनुसंधान के आयाम	4	25	75	100
	A011008RN	Core	शोध परियोजना / लघु शोध	4	25	75	100

PROGRAMME /CLASS: CERIFICATE	BA I st YEAR	SEMESTER: I	
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010101T	COURSE TITLE: हिन्दी काव्य		
Course out comes: हिन्दी काव्य के प्रतिनिधित्व कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना एवं हिन्दी काव्य की संक्षिप्त जानकारी देना।			
CREDITS: 6	MAN- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30	
1	हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी भारतीय ज्ञान परंपरा के अन्तर्गत आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य का इतिहास रू इतिहास लेखन की परम्परा एवं विकास रू • प्रारम्भिक हिन्दी की विशेषताएँ । हिन्दी पूर्व की भाषाओं में संरक्षित साहित्य परम्परा का संक्षिप्त परिचय • हिन्दी साहित्य का काल विभाजन । • आदिकाल रू साहित्यिक पृष्ठभूमि, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ, आदिकालीन साहित्य की विशेषताएँ । • भक्तिकाल रू भक्ति काव्य की अवधारणा, भक्ति आन्दोलन के उदय की पृष्ठभूमि, भक्ति के प्रमुख सम्प्रदाय, प्रमुख भक्त कवियों का परिचय, भक्ति साहित्य की विशेषताएँ । • रीतिकाल रू रीति की अवधारणा, रीतिकालीन काव्य का वैविध्य, रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और काव्य, साहित्यिक विशेषताएँ ।	12
2	आधुनिक कालीन काव्य का इतिहास रू सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण एवं प्रवृत्तियाँ, 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग एवं छायावाद की प्रवृत्तियाँ एवं अवधारणा उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता	12
3	आदिकालीन कविः– (विद्यापति पदावली संपा. आचार्य रामलोचन शरण) क. राधा की वंदना, ख. श्रीकृष्ण प्रेम (35), ग. राधा प्रेम (36)	05

4	भक्तिकालीन सगुण कविः– सूरदास रू (भ्रमरगीत सार – संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) (पद संख्या 07, 21, 23, 24, 26) गोस्वामी तुलसीदास :– (श्रीराम चरित मानस – गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस गोरखपुर) अयोध्या काण्ड – दोहा संख्या 28 से 41	**16**
5	भक्तिकालीन निगुण कविः– कबीरः– (कबीर – संपादक – श्याम सुन्दर दास)क– गुरूदेव को अंग– 01,06,11,17,20 विरह को अंग– 04,10,12,20,23 मलिक मोहम्द जायसी : (मलिक मोहम्द जायसी(– संपा0 आचार्य रामचन्द्र शुल्क मानसारोदक खण्ड (01 से 06 पद तक)	**15**
6	रीतिकालीन कवि :– बिहारीलालः बिहारी रत्नाकर – जगन्नाथ दास रत्नाकर प्रारम्भ के 10 दोहे घनानंदः (घनानंद ग्रथावली – संपा0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) सुजानहित पद –01, 04, 07	**10**
7	आधुनिककालीन कविः जयशंकर प्रसाद : आंसू के प्रथम पांच पद सूर्यकांत त्रिपाठी ''निराला'' वरदे वीणा वादिनि वर दे, वह तोड़नी पत्थर सुमित्रानंदन पन्त : मौन निमंत्रण महादेवी वर्मा : जलने दो यह मन्दिर का दीप इसे नीरव	**10**
8	छायावादोत्तर कवि : अज्ञेय : नदी के द्वीप. मुक्तिबोध : भूल गलती नागार्जुन : सिन्दूर तिलकित भाल सुमन राजेः वसुन्धरा एा काव्य नाटिका(कविता संग्रह 'युद्व')	**10**

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. डॉ. नगेंद्र, (संपा.), हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976
2. बच्चन सिंह, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996 3
3. शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
4. तिवारी, रामचंद्र, हिंदी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019

6. सिंह नामवरआधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
7. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं कुमार, डॉ. राजेश, आधुनिक काव्य प्रतिनिधि रचनाएँ, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2014
8. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1961, तृतीय संस्करण
9. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1940
10. श्रीवास्तव, डॉ. रणवीर, विद्यापति : एक अध्ययन, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नयी दिल्ली, 1991
11. सिंह, डॉ. शिवप्रसाद, विद्यापति, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1957
12. वर्मा, रामकुमार, संत कबीर, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद, 1943
13. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, कबीर, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1946
14. वर्मा, रामलाल, जायमी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दिल्ली, 1979
15. पाठक, शिवसहाय मलिक मोहम्मद जायगी और उनका काव्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद –
16. शर्मा मुंशीराम, सूरदास का काव्य वैभव, ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर, 1965
17. किशोरीलाल, सूर और उनका भ्रमरगीत, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
18. सिंह उदय भान, तुलसीदास, राधा कृष्णा प्रकाशन नई दिल्ली 2018
19. दीक्षित राजपति, तुलसीदास और उनका युग, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1953
20. सिंह डॉ विजय पाल
21. भटनागर रामरतन, केशवदास : एक अध्ययन, किताब महल, इलाहाबाद, 1947
22. शर्मा किरणचन्द्र, केशवदास : जीवनी, कला और कृतित्व, भारती साहित्य मन्दिर, दिल्ली, 1961
23. डॉ. नगेन्द्र, कामायनी, अध्ययन की समस्याएँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, 1962
24. शर्मा, रामबिलास, निराला की साहित्य साधना, भाग–2, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1981, द्वितीय संस्करण
25. गौड़, राजेंद्र सिंह, आधुनिक कवियों की काव्य साधना, श्रीराम मेहता एंड संस, आगरा, 1953
26. सक्सेना, द्वारिका प्रसाद, हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
27. कुमार विमल, छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1970
28. तिवारी, भोलानाथ, प्रसाद की कविता, साहित्य भवन, प्रयागराज
29. डॉ. नगेन्द्र, सुमित्रानंदन पन्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, 1962
30. शर्मा, रमेश, पन्त की काव्य साधना, साहित्य निकेतन, कानपुर
31. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद, समकालीन हिन्दी कविता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
32. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, अज्ञेय का रचना संसार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
33. सिंह, विजयबहादुर, नागार्जुन का रचना संसार, सम्भावना प्रकाशन, हापुड़,
34. अष्टेकर, कटघरे का कवि धूमिल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
35. नवल, नंदकिशोर, मुक्तिबोध, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली 1982
36. त्रिपाठी, डॉ. हंसराज, आत्मसंघर्ष की कविता मुक्तिबोध, मानस प्रकाशन, प्रतापगढ़
37. सिंह, शम्भूनाथ, छायावाद युग, सरस्वती मन्दिर प्रकाशन, वाराणसी, 1962
38. सिंह, डॉ0, उदयप्रताप, नाथ पंथ और गोरखबानी, आर्यावर्त्त संस्कृति संस्थान, दिल्ली, 2017
39. सिंह, डॉ गायत्री, आधुनिक हिंदी कविता में कृषि संस्कृति, साहित्य निलय, बौद्ध नगर, कानपुर
40. दीक्षित, डॉ रेनू, महादेवी वर्मा की काव्यानुभूति, साहित्य निलय बौद्ध नगर, कानपुर
41. सिंह, डॉ ओम प्रकाश, समकालीन नवगीत अवधारणा और मूल्य बोध

42. राय, डॉ अनिल, स्वाधीनता आंदोलन और निराला, खाया पब्लिकेशन, दिल्ली
43. राजे, डॉ सुमन, हिंदी साहित्य का आधा इतिहास भारतीय ज्ञान पीठ, नई दिल्ली
44. सिंह, डॉ कन्हैया, युगदृष्टा मालिक मुहम्मद जायसी, साहित्य संगम प्रकाशन, इलाहाबाद
45. सिंह, ओम प्रकाश, समकालीन कविता और नवगीत का तुलनात्मक आंकलन
46. शुल्क डॉ0 राकेश नई कविता में उदात्त तवत , ज्ञानोदय प्रकाशन,कानपुर
47. डॉ0 ऋतम्भरा, निराला साहित्य में मानववादी मूल्य, बुक पब्लिकेशन, लखनऊ
48. डॉ0 ऋतम्भरा, मुक्तिबोध एवं प्रगतिशील समीक्षा, अराधना बद्रर्स, कानपुर
49. समकालीन काव्य में समाजिक जीवन – डॉ0 अल्का शुक्ला, आशीष प्रकाशन, कानपुर

PROGRAMME /CLASS: CERIFICATE	BA I[st] YEAR	SEMESTER: II
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010201T	**COURSE TITLE:** कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर (संगणक)	

Course out comes:

हिन्दी के विद्याथियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वह कार्यालय के कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सकें एवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देना तथा उन्हें कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे कम्प्यूटर पर कार्य करने में सक्षम होकर रोजगार प्राप्त कर सकें ।

CREDITS: 6	MAN- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

1	**कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप, , उद्देश्य एवं क्षेत्रः** लोकतंत्र में शासन, पद एवं कार्यालयों की संवैधानिक स्थिति कार्यालयों का राजभाषा के प्रति दायित्व	11
2	**कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावलीः** कार्यालयों एवं अधिकारियों के पदनाम, स्तर एवं दायित्व प्रशासनिक एवं विधिक शब्दावली व कार्यालयी हिन्दी की प्रयुक्तियाँ – ई–शासन के अंतर्गत हिन्दी के नए शब्दों की सम्भावना	11
3	**संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण एवं टिप्पणी** संक्षेपण अर्थ, सामान्य परिचय, संक्षेपण की पद्धति पल्लवनः अर्थ सामान्य परिचय पल्लवन की पद्धति संक्षेपण एवं पल्लवन के उदाहरण ० पल्लवन एवं निबंध लेखन में अन्तर प्रारूपण का अर्थ उपयोगिता एवं लेखन पद्धति ० टिप्पण का अर्थ उपयोगिता एवं लेखन पद्धति	12
4	**कार्यालयी हिन्दी पत्राचारः** ० औपचारिक पत्राचार की विशेषताएँ कार्यालयी पत्राचार के घटक शासन एवं जनता के बीच प्रयुक्त पत्रों के प्रारूप- आवेदन पत्र अधिसूचना प्रेसविज्ञप्ति विज्ञापन शासन के विभागी संचालन में प्रयुक्त पत्राचार के प्रारूप- शासनादेश अर्द्धसरकारी पत्र अनुस्मारक कार्यालय ज्ञापन	11

5	**हिन्दी भाषा और संगणक (कम्प्यूटर)** ० संगणक के सामान्य एवं भाषिक अनुप्रयोग संगणक में हिन्दी का भविष्य सूचना क्रांति एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी का अवदान ० संगणकीय हिन्दी: सीमा एवं सम्भावना	11
6	**संगणक में हिन्दी का ई-लेखन** • लेखन एवं प्रकाशन से सम्बन्धित साफ्टवेयर - एम0 एस0 आफिस एडोब पेजमेकर एवं कोरल ड्रा • कुंजीपटल के प्रकार - रेमिंग्टन इन्स्क्रिप्ट एवं फोनेटिक • हिन्दी फॉन्ट एवं भिन्न कुन्जीपटल पर यूनीकोड में हिन्दी टंकण की विधियाँ • हिन्दी अभिनिवेशन उपकरण (हिन्दी इनपुट टूल), वर्तनी शोधक शब्द संसाधन एवं प्रारूपण संयोजन	11
7	**हिन्दी और सूचना प्रौद्योगिकी** • हिन्दी भाषा साहित्य से सम्बन्धित (वेबसाइट / पोर्टल) • अन्तरताना (इन्टरनेट) पर उपलब्ध पत्र पत्रिकाएँ • ई-पुस्तकालय की संकल्पना और सुविधाएँ	11
8	**भाषा प्रौद्योगिकी और हिन्दी:** • परियोजना प्रस्तुति निर्माण के उपकरण और पीपीटी (पावर प्वाइंट) का प्रयोग • वाक् और पाठ में रूपांतरण (वाक रो पाठ और पाठ से वाक रूपांतरण: (Speech to text और text to Speech) • प्रकाशित अक्षर पहचान (OCR) के साफ्टवेयर और हिन्दी की सुविधाएँ • मशीनी अनुवादः उपयोगिताए सीमा एवं संभावनाएँ	12

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1 नागर, रामचंद्र सिंह कार्यालय कार्य विधि, आत्माराम एंड संस, नयी दिल्ली, 1963

2 शर्मा, चंद्रपाल, कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली, 1991

3 प्रज्ञा पाठमाला, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली

4 गोवरे, डॉ. विनोद, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2009

5 झाल्टे, दंगल, प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2016, पंचम संस्करण

6 (गोनटवे), डॉ. माधव, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

7 भाटिया, कैलाश चन्द्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2003

8 जैन, डॉ. संजीव कुमार, प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन,

9 मल्होत्रा, विजयकुमार, कम्प्यूटर के भापिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नवी दिल्ली

10 गोयल संतोष, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली

11 हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

12 हरिमोहन, कम्प्यूटर और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

13 शर्मा, पी. के., कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत, डायनामिक पब्लिकेशन्स, नयी दिल्ली

14 संजय द्विवेद्वी (संपा.), सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, नेहा पलिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नयी दिल्ली

15 शुक्ल सौरभ, नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज पब्लिकेशन्स,

16 कुमार सुरेश, इन्टरनेट पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

17 श्रीवास्तव गोपीनाथ, कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि, सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली

18 डॉ०. अजय प्रकाश, डॉ०. रमेश वर्मा, डॉ०. योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रयोजन मूलक हिन्दी, रागवेत प्रकाशन, कानपुर

19 वर्मा, डा० आर. पी., डा० नीरज कुमार सिंह, हिन्दी व्याकरण पर रखना, निर्गल पब्लिकेशन्स, कबीर नगर, दिल्ली 94

20 शर्मा प्रो. कुमुद, भूमंडलीकरण और मीडिया, ग्रन्थ अकादमी, नई दिल्ली

21. शर्मा, प्रो. कुमुद, विज्ञापन की दुनियाए प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली

PROGRAMME /CLASS: DIPLOMA	**BA IInd YEAR**	**SEMESTER: III**
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010301T	COURSE TITTE: हिन्दी गद्य	
Course outcomes: हिन्दी के विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों एवं एकांकीकारों, निबंधकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्त्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के विद्यार्थी इस हेतु तैयार हो सकें।		
CREDITS: 6	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30
Unit	Topic	
1	**गद्य साहित्य का स्वरूपः** गद्य साहित्य की विधाएँ और वैशिष्ट्य प्राचीन विधाएँ – नाटक, आख्यायिका, कथा आधुनिक विधाएँ – कहानी, उपन्यास, लघुकथा. आत्मकथा, आलोचना, निबन्ध माध्यम लेखन के साथ उपजी नवीन विधाएँ– रिपोर्ताज, रेडियो रूपक, पटकथा, संवाद, ब्लाग, लेखन, सम्पादकीय	12
2	**हिन्दी गद्य की निम्न महत्त्वपूर्ण विधाओं के एतिहासिक विकास का संक्षिप्त परिचय :** कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, आलोचना, निबंध, संस्मरण, यात्रा वृतान्त, रेखाचित्र	12
3	डायरी, रिपोर्ताज, आत्मकथा, जीवनी, व्यंग्य, हिन्दी उपन्यासः	11
4	**उपन्यास :** झाँसी की रानी – वृन्दावनलाल वर्मा **अथवा** 'बा' – गिरिराज किशोर हिन्दी कहानी पंच परमेश्वर – प्रेमचन्द परदा – यशपाल तीसरी कसम् – रेणु	11

5	**हिन्दी नाटक एवं एकांकी :** नाटक : अन्धेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चंद एकांकी : दीपदान – डॉ रामकुमार वर्मा	11
6	**हिन्दी निबन्धः** मित्रता : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अशोक के फूल– हजारी प्रसाद द्विवेदी तुम चन्दन हम पानी – डॉ० विद्यानिवास मिश्र	11
7	**अन्य गद्य विधाएँ–प्रथम खण्ड :** रेखाचित्र (गिल्लू – महादेवी वर्मा) संस्मरण (तीन बरस का साथी रामविलास शर्मा) जीवनी –जिन्होंने जीना जाना (सुमित्रा नन्दनपंत की जीवनी मात्र) रिपोर्ताज – मानुष बने रहो फणीश्वर नाथ रेणु	11
8	**अन्य गद्य विधाएँ– द्वितीय खण्डः** यात्रा वृत्तांत (झेलम की ओर – राहुल सांकृत्यायन) डायरी (एक साहित्यिक की डायरी – मुक्तिबोध) (केवल 'तीसरा क्षण' तथा 'डबरे पर सूरज') इन्टरव्यू (मैं इनसे मिला, श्री सूर्यकान्त त्रिपाठी) निराला – (पद्म सिंह शर्मा कमलेश) आत्मकथा (जूठन – ओमप्रकाश वाल्मीकि) प्रथम खण्ड	11

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. तिवारी. रामचंद्र, हिन्दी निबंध और निबंधकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2007
2. सिंह बच्चन, आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
3. शुक्ल, रामचंद्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
4. तिवारी, रामचंद्र, हिन्दी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, गद्य विन्यास और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018
6. के. सत्यनारायण (संपा.) दृश्य सप्तक, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास, प्रथम संस्करण, सन् 1975
7. दस एकांकी, श्रीराम मेहरा एंड कंपनी, आगरा
8. वर्मा, डॉ. रामकुमार, आठ एकांकी नाटक, स्रोत : ई पुस्तकालय
9. हरिश्चंद्र भारतेंदु, अंधेर नगरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. प्रसाद जयशंकर, ध्रुवस्वामिनी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

11. गुप्ता सोमनाथ, हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास, इंद्रा चन्द्र नारंग, इलाहाबाद, तीसरा संस्करण, 1951
12. ओझा, डॉ. दशरथ, हिन्दी नाटक : उद्‌भव एवं विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली
13. रस्तोगी गिरीश, हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती, इलाहाबाद
14. ओझा, डॉ. दशरथ, हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली
15. त्रिपाठी सत्यवती, आधुनिक हिन्दी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
16. किशोर व्रजराज, हिन्दी नाटक और रंगमंच, जनप्रिय प्रकाशन
17. रस्तोगी गिरीश, समकालीन हिन्दी नाटककार, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
18. कुमार, सिद्धनाथ, हिन्दी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद
19. महेंद्र, डॉ. रामचरण, एकांकी और एकांकीकार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
20. महेंद्र, डॉ. रामचरण, हिन्दी एकांकी, उद्‌भव और विकास, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली

21. सिंह, डॉ० सुनील विक्रम, हिन्दी साहित्य की कथेतर गद्य रार्जना, नमन प्रकाशन, दिल्ली ।
22. यादव, डॉ० वीरेन्द्र सिंह, हिन्दी उपन्यासों में शिल्प एवं सम्वेदना के बदलते सरोकार, अल्फा पब्लिकेशन, नयी दिल्ली ।

PROGRAMME /CLASS: DIPLOMA	BA II[ND] YEAR	SEMESTER: IV
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010401T	COURSE TITTE: हिन्दी अनुवाद	
Course outcomes: विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ साथ अन्य भारतीय भाषाओं हिन्दी की बोलियों तथा अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुये वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के प्रचार प्रसार में सहायक बनाना।		
CREDITS: 6	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
1	**अनुवाद की अवधारणा :** अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप अनुवाद का महत्त्व अनुवाद के विविध प्रकार : अनुवादक के गुण, दायित्व और अपेक्षाएं अनुवाद में रोजगार की संभावनाएं	11
2	**अनुवाद का सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ :** संस्कृति, साहित्य और भाषा अनुवाद और संस्कृति अनुवाद और समाज अनुवाद और भाषा बहुभाषिक समाज में अनुवाद मानक भाषा और बोलियों में लिप्यांतरण	11
3	**अनुवाद के साधन :** अनुवाद में कोश का महत्व कोशों के प्रकार कोशों के उपयोग देशज शब्दकोष संकेत प्रणाली	11
4	**पारिभाषिक शब्दावली :** पारिभाषिक शब्द : तात्पर्य तथा लक्षण सामान्य शब्दों तथा पारिभाषिक शब्दों की अनुवाद में भूमिका पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया	11

5	**अनुवाद सैद्धांतिकी – एक :** हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी सर्जनात्मक साहित्य का अनुवाद) प्रशासनिक साहित्य का अनुवाद बैंकिंग साहित्य का अनुवाद विधि साहित्य का अनुवाद ज्ञान, विज्ञान तथा तकनीकी विषयों में अनुवाद	**12**
6	**अनुवाद सैद्धांतिकी– दो :** ● भारतीय भाषाओं का परस्पर अनुवाद ● भारतीय भाषाओं का रागान्तर कोष ●रचनात्मक साहित्य का भारतीय भाषाओं में – अनुवादों के उदाहरणों का अध्ययन	**12**
7	**अनुवाद सैद्धांतिकी–तीन :** लिप्यांतरण और अनुवाद क्षेत्रीय बोली के साहित्य का मानक हिन्दी में रूपांतरण विधात्मक रूपांतरणः सर्जनात्मक साहित्य का एक विधा से दूसरी विधा में रूपांतरण यथा–कहानी से पटकथा अथवा नाटक में रूपांतरण	**12**
8	**व्यावहारिक अनुवाद के अभ्यास :** हिन्दी अंग्रेजी के परस्पर अनुवाद भारतीय भाषाओं के मध्य अनुवाद बोली के साहित्य का मानक हिन्दी में रूपांतरण	**12**

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1972
2. समीर श्री नारायण, अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,
3. पालीवाल डॉ. रीतारानी, अनुवाद की प्रक्रिया और परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
4. गुप्ता, डॉ. गार्गी, तिवारी डॉ. भोलानाथ, अनुवाद का व्याकरण, भारतीय अनुवाद
5. कुमार डॉ. सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रुपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016 परिषद, दिल्ली, 1994
6. तिवारी शोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, काव्यानुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1980
7. कुमार, डॉ. सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1997

8. तिवारी, भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, पारिभाषिक शब्दावली : कुछ समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1973
9. तिवारी, भोलानाथ, कुमार कृष्ण, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1987
10. चौधरी, डॉ. प्रवीण, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2012
11. टंडन, पूरनचंद, भाषा दक्षता (भाग 01 से 04), किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, 2018
12. टंडन, पूरनचन्द्र एवं सेठी डॉ. हरीश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	BA III[rd] YEAR	SEMESTER : V
Subject : Hindi		
COURSE CODE: A010501T	**COURSE TITTE: साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना**	
Course outcomes: इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और उनके विषय क्षेत्र से परिचित हो सकेंगे तथा वे हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कर सकेंगे।		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30
Unit	Topic	No- of Lectures
1	**भारतीय काव्यशास्त्र का प्रारंभिक परिचय** काव्य लक्षण काव्य हेतु काव्य प्रयोजन काव्य का स्वरुप काव्य की आत्मा	**09**
2	साहित्यशास्त्रीय अवधारणाएँ काव्य रूप	**09**
3	काव्य गुण शब्द शक्ति काव्य दोष	**09**
4	**नाट्यशात्र :** भारतीय नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय अभिनय रूपक कथा नेता या नायक नायिका	**09**
5	रंगमंचीय विशेषताएं	**09**

6	**हिन्दी आलोचना की सैद्धान्तिकी** – सैद्धान्तिक आलोचना स्वछन्दतावादी आलोचना, मार्क्सवादी आलोचना, मनोविश्लेषणवादी आलोचना	**10**
7	**हिन्दी आलोचना का संक्षिप्त इतिहास**	**10**
8	**आलोचना दृष्टि** आचार्य रामचन्द्र शुक्ल रामविलास शर्मा	**10**

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. शर्मा,देबेन्द्र नाथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, गंयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002
2. नवल, नंदकिशोर, हिंदी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981
3. सिंह, बच्चन, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़, 1987
4. मिश्र, गंगीरथ, पाश्रात्य काव्यशात्र विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
5. मिश्र, भगीरथ, काव्यशाम, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,
6. त्रिपाठी, विश्वनाथ, हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1902
7. तिवारी, डॉ. रामचन्द्र, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, सी भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय गंगा, 2010
8. डॉ0 अजय प्रकाश, डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ० कुरीतिया कुमार, काव्य शास्त्र एवं साहित्य लोचन, रामवेत प्रकाशन, कानपुर ।
9. त्यागी, डॉ० देवेन्द्र, काव्यांग विवेक, डॉ० राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली द्य
10. सिंह, योगेन्द्र प्रताप, भारतीय काव्य शास्त्र, भारती प्रकाशन,
11. सिंह, डा. नीरज कुंभार, डा. श्रीमती बबिता सिंह, कांव्यांग नगर, दिल्ली

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	BA III[rd] YEAR	SEMESTER : V
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010502T**	**COURSE TITTE:** **हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य**	
Course outcomes: हिन्दी की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में के प्रति अनुराग जाग्रत करना।		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
1	वीरगाथा काल का राष्ट्रीय काव्य : चंदबरदाई : पृथ्वीराज रामो के रेवा तट समय के अंश चढ़त राज पृथिराज)	09
2	भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्य : गुरु गोविन्द सिंह : देहु शिवा वर मोहि भूषण : इन्द्र लिमि जम्भ पर,	09
3	भारतेंदु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्य : भारतेंदु हरिश्चंद्र : भीतर भीतर सब से दूरी, सब गुरुजन की बुरी • मैथिलीशरण गुप्त : आर्य मातृभूमि	09
4	छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्य : जयशंकर प्रसाद : प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग श्रृंग), अरुण यह मधुमय देश हमारा माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा, सुभद्रा कुमारी चौहान : वीरों का कैसा हो वसंत,	09
5	छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य : (प्रथम चरण) बालकृष्ण शर्मा नवीन : कोटि कोटि कंठों से निकली आज यही स्वर धारा है।	09

	रामधारी सिंह दिनकर : शहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोलें), हिमालय सोहनलाल द्विवेदी : 'चल पड़े जिधर दो डग मग में'	
6	छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य द्वितीय चरण : श्यामनारायण पाण्डेय : राणा प्रताप की तलवार द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी : उठो धरा के अमर सपूतों,	**10**
7	छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य तृतीय चरण : अटल बिहारी लाजपेयी : कदम मिलाकर चलना होगा श्यामलाल गुप्त पार्षद : झंडा गीत (विजयी विश्व तिरंगा प्यारा)	**10**
8	हिन्दी फिल्मी गीतों में राष्ट्रीय काव्यः कवि प्रदीप : आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है (1943 – किस्मत) कवि प्रदीप ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आँख में भर लो पानी (गैर फिल्मी) कवि प्रदीप : हम लाए हैं तूफान से कश्ती निकाल के . (1954– जाग्रति) साहिर लुधियानवी : ये देश है वीर जवानों का (नया दौर– 1957) प्रेम धवन : छोड़ो कल की बातें कल की बात पुरानी हम) 1961–हिन्दुस्तांनी 'नीरज' ऐ मेरे प्यारे वतन (1961 – काबुलीवाला) कैफी आजमी कर चले हम फिदा जाने तन साथियों (हकीकत 1964) राजेन्द्र कृष्णः जहाँ डालडाल पर सोने की चिड़िया करती– (1965–सिकंदर –ए–आजम फिल्म) है बसेरा	**10**

	गुलशन बावरा : मेरे देश की धरती सोना उगले : उपकार) (1967 इन्दीवर : है प्रीन जहाँ की रीत सदा (पूरव और पश्चिम 1971) ।	

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. तिवारी, उदयनारायण, वीर काव्य, भारती भण्डार, प्रयाग, प्रथम संस्करण, संवत 2005वि.
2. चंदबरदाई, पृथ्वीराज रासो, मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या और श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण 1906सन,.
3. सिंह, शांता, चंदबरदाई, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017
4. कुमुद, अयोध्याप्रसाद गुप्त, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2014
5. आल्हखण्ड, ई पुस्तकालय डॉट कॉम
6. श्यामसुंदरदास, (. संपा) परमाल रासो प्रथम संस्करण, वाराणसी, री प्रचारणी सभानाग,
7. सिंह, डॉ. महीप, गुरु गोविन्द सिंह और उनका काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, सन 1969 प्रथम संस्करण
8. बोरा, राजमल, भूषण, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017
9. मिश्र, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान, वाराणसी, संवत 2010 वि .
10. व्रजरत्न दास, भारतेंदु ग्रंथावली, वाराणसी
11. गिरीश, गिरिजदत्त शुक्ल, महाकवि हरिऔध, अरुणोदय पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग, सन 1932
12. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त, मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, सन 2008
13. व्यास, विनोद शंकर (संपा), प्रसाद और उनका साहित्य, विद्या भास्कर बुक डिपो, वाराणसी
14. वाजपेयी, नंददुलारे, जयशंकर प्रसाद, लीडर प्रेस, इलाहाबाद

15. बिसारिया, डॉ. पुनीत, भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2014
16. सिंह, विजेंद्र नारायण रामधारी सिंह दिनकर, साहित्य अकादमी नई दिल्ली
17. नवल, नन्द किशोर, दिनकर अर्धनारीश्वर कवि, राज कमल प्रकाशन, नई दिल्ली
18. सिंह, डॉ योगेंद्र प्रताप, डॉ प्रदीप कुमार राव, भारतीय राष्ट्रीय एवं संत परंपरा, ए आर पब्लिकेशन, सरोजनी नगर, लखनऊ
19. गुप्त, प्रो. सदानंद प्रसाद, राष्ट्रीय अस्मिता और हिंदी साहित्य नीलकमल प्रकाशन, गोरखपुर
20. गुप्त, प्रो. सदानंद प्रसाद, वैचारिक और हिंदी साहित्य, नीलकमल प्रकाशन गोरखपुर
21. शर्मा डॉ. कुमुद नई कविता में राष्ट्रीय चेतना
22. हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय काव्यधारा का विकास – क्रान्ति कुमार शर्मा
23. हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा के अल्पज्ञात कवि, सुधांशु किशोर मिश्र, विद्या प्रकाशन, कानपुर
24. राष्ट्रीय कविताएँ – (संपा.) नरेश चन्द्र चतुर्वेदी, साहित्य निकेतन, कानपुर
25. सुभद्रा कुमारी चौहान, डॉ0 प्रतीक मिश्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	**BA IIIrd YEAR**	**SEMESTER : VI**
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010601T**	**COURSE TITTE:** **भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि**	
Course outcomes: भाषा के अंगों. हिन्दी भाषा के उद्भव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी। विद्यार्थियों को हिन्दी की वैज्ञानिक एवं वैधानिक स्थिति से परिचित कराना।		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30
Unit	**Topic**	**No- of Lectures**
1	भाषा एवं भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय : भाषाः परिभाषा, स्वरूप, अभिलक्षण भाषाविज्ञान :परिभाषा, प्रकार, क्षेत्र, शाखाएँ	09
2	भाषिक संरचना तथा स्तर : ध्वनि रूप वाक्य प्रांक्ति अर्थ	09
3	हिन्दी भाषा की उत्पत्ति तथा विकास : पृष्ठभूमि अपभ्रंश अवहट्ट पुरानी हिन्दी मानक हिन्दी	09
4	हिन्दी शब्द सम्पदा और उसके मूल स्रोत : हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण आधार वाह्य प्रयत्न, आभ्यंतर –प्रयत्न,उच्चारण,स्थान, प्राणत्व और अनुनासिकता	09
5	हिन्दी की उपभाषाओं तथा बोलियों का परिचय : पश्चिमी हिन्दी	09

	पूर्वी हिन्दी , पहाड़ी हिन्दी , राजस्थानी हिन्दी, बिहारी हिन्दी	
6	हिन्दी की वैधानिक तथा संवैधानिक स्थिति : राजभाषा आयोग राजभाषा अधिनियम तथा उनका विश्लेषण संवैधानिक प्रावधान तथा उनका विश्लेषण	10
7	देवनागरी लिपि : नामकरण उद्‌भव और विकास विशेषताएं वैज्ञानिकता समस्या सुधार	10
8	क्षेत्रीय बोली का विशेष अध्ययन : क्षेत्रीय बोली का विकास क्रम क्षेत्रीय बोली का साहित्यिक विकास (विशेष अध्ययन अवधी अथवा कन्नौजी)	10

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. शर्मा, आचार्य देवेन्द्रनाथ, भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज नयी दिल्ली, 1972
2. द्विवेदी, कपिलदेव, भाषा–विज्ञान एवं भाषा–शास्त्र विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980
3. शर्मा, डॉ. रामकिशोर, हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, विद्या प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
4. तिवारी, भोलानाथ, हिंदी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली, 1987
5. त्रिपाठी, सत्यनारायण, हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1981
6. शर्मा, राजमणि, हिंदी भाषा : इतिहास एवं स्वरूप, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,2014
7. तिवारी, भोलानाथ, भाषाविज्ञान, किताबमहल, इलाहाबाद, 1999
8. वर्मा, डॉ. धीरेन्द्र, हिन्दी भाषा और लिपि, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग, 1951
9. बाहरी हरदेव., हिन्दी भाषा, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली, 2017
10. बाहरी हरदेव, हिन्दी उद्‌भव, विकास और रुप, किताब महल, इलाहाबाद, 42 वाँ संस्करण,2018
11. पडनेकर अजीत, शब्दों का सफर, राजकमल प्रकाशन
12. वर्मा रामचंद्र, अच्छी हिंदी, लोकभारती प्रकाशन
13. मुले गुणाकार, अक्षर कथा, राजकमल प्रकाशन
14. मुले गुणाकार, अक्षर की कहानी, प्रकाशन विभाग भारत सरकार
15. बाजपेई आचार्य किशोरी दास हिंदी निरुक्त, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
16. सिंह डॉ. योगेंद्र प्रताप, वैश्वीकरण और हिंदी प्रत्युष प्रकाशन नई दिल्ली

17. यादव, डॉ. वीरेन्द्र राष्ट्र भाषा हिंदी विचार, नीतियां और सुझाव, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली
18. वर्मा, डॉ. आर पी, डॉ. नीरज कुमार सिंह, हिंदी व्याकरण एवं रचना, निर्मल पुब्लिकेशन्स कबीर नगर, दिल्ली
19. हिन्दी शब्दानुसार, किशोरी दास बाजपेयी
20. हिन्दी भाग : विकास और स्वरूप, डॉ0 कैलाश चंद्र भाटिया
21. वृहत्त हिन्दी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरु

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	BA III[rd] YEAR	SEMESTER : VI
Subject : Hindi		
COURSE CODE: A010602T	**COURSE TITTE: लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति**	
Course outcomes: भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना ।		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30
Unit	**Topic**	**No- of Lectures**
1	लोक साहित्य का सामान्य परिचयः लोक साहित्य : परिभाषा क्षेत्र वर्गीकरण	09
2	लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य : लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का पारस्परिक सम्बन्ध	09
3	लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता : लोक साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता	09
4	लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन : लोक साहित्य की विविध विधाएँ : लोक साहित्य संकलन, संरक्षण एवं संबर्द्धन, राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व ।	09
5	लोक गाथा, लोक कथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत	09
6	लोक का प्रकीर्ण साहित्यः महत्व लोकोक्तियों, मुहावरे, मुकरियां एवं पहेलियां – परंपरा एवं	10
7	हिन्दी लोक साहित्य का विकास क्रमः हिन्दी का लोक साहित्य, इतिहासः अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ, हिन्दी का लोक साहित्य और बोलियाँ	10

8	हिन्दी के विभिन्न क्षेत्रीय (आंचलिक) लोक साहित्य का 10 परिचय : विशेष अध्ययन नौटंकी – (अवधी एवं कन्नौजी)	10

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. प्रसाद, डॉ. दिनेश्वर, लोक साहित्य और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 1973
2. शर्मा, डॉ. श्रीराम, लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1973
3. शिवसेना, डॉ. उषा, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली, 2007
4. उपाध्याय, कृष्णदेव, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, 1957
5. सुमन, रामनाथ, संपादक, सम्मेलन पत्रिका, लोक संस्कृति विशेषांक, प्रयागराज, संवत 2010
6. मिश्र, प्रो. चितरंजन एवं ओझा, दुर्गाप्रसाद, समकालीन हिंदी एवं अवधी कविता, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2019
7. मिश्र, डॉ. श्रीधर,भोजपुरी लोक साहित्य : सांस्कृतिक अध्ययन, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज, 1971
8. यावल, डॉ वीरेंद्र सिंह, भारत का लोक सांस्कृतिक विमर्श, कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली, 2018
9. बिसारिया, डॉ. पुनीत एवं यादव, डॉ. वीरेंद्र सिंह, भोजपुरी विमर्श, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2009
10. डॉ. सत्येंद्र, लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल कंपनी, आगरा, 1971
11. विगारिया, डॉ. पुनीत, बुन्देली महिमा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2017
12. बिसारिया, डॉ. पुनीत, बुन्देली काव्य धारा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2019
13. उपाध्याय, कृष्णदेव, भोजपुरी लोक का अध्ययन, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1949
14. सत्येन्द्र, ब्रज की लोक कहानियां, ब्रज साहित्य मंडल, मथुरा
15. सत्येन्द्र, ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन, साहित्य रत्न भंडार, आगरा
16. डॉ0 ऋतम्भरा, लोक साहित्य एवं लोक नाट्य, आशा प्रकाशन, कानुपर

सेमेस्टर – VII
प्रथम प्रश्न पत्र (अनिवार्य) –
हिन्दी काव्य का इतिहास

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	IV YEAR Honers I PAPER (CORE)	SEMESTER : VII
	Subject : Hindi	
COURSE CODE: A010701TN	COURSE TITTE: **हिन्दी काव्य का इतिहास**	
Course outcomes: हिन्दी काव्य के इतिहास का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
1	**इकाई – 1 : इतिहास–दर्शन तथा आदिकाल** 01. साहित्येतिहास–दर्शन के समकालीन सिद्धांत 02. साहित्येतिहास–लेखन की प्रमुख अवधारणाएँ 03. हिन्दी साहित्य इतिहास लेखन की परम्परा 04. आदिकाल काल–विभाजन और उसकी समस्याएँ 05. नामकरण की समस्या पृष्ठभूमि : विभिन्न परिस्थितियाँ 06. रासोकाव्य–परंपरा, प्रमुख प्रवृत्तियाँ 07. सिद्ध, नाथ, जैन, बौद्ध साहित्य 08. लौकिक साहित्य 09. उपलब्धियाँ	10
2	**इकाई – 2 : भक्तिकाल** 01. उदय की पृष्ठीाूमि तथा भक्ति परंपरा 02. निर्गुण भक्ति काव्य 03. सगुण भक्ति काव्य 04. उपलब्धियाँ	20

3	**इकाई – 3 : रीतिकाल** **01.** रीति का अभिप्राय **02.** नामकरण की समस्या **03.** रीतिकाल की पृष्ठीाूमि **04.** रीतिबद्ध **05.** रीतिसिद्ध **06.** रीतिमुक्त **07.** रीति इतर काव्य	**10**
4	**इकाई – 4 : आधुनिक काल** **01.** आधुनिक काल की पृष्ठीाूमि सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक (1857 के स्वाधीनता संग्राम : 1947 तक राजनीतिक इतिहास, नवजागरण) **02.** भारतेन्दु युग **03.** द्विवेदी युग **04.** छायावाद **05.** प्रगतिवाद **06.** प्रयोगवाद **07.** नयी कविता **08.** समकालीन कविता तथा विविध काव्यान्दोलन	**20**

प्रस्तावित पुस्तकें :

01. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल

02. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी

03. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र

04. हिन्दी साहित्य का इतिहास : संपादक डॉ0 नगेन्द्र

05. साहित्य का इतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा

06. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : रामकुमार वर्मा

07. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पांडेय

08. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारीप्रसाद द्विवेदी

09. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–1, 2) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : पूरनचंद टंडन, विनीता कुमारी

11. अपभ्रंश साहित्य : हरिवंश कोछड़

12. आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठीाूमि : राममूर्ति त्रिपाठी

13. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय

14. हिन्दी का गद्य : रामचन्द्र तिवारी

15. हिन्दी काव्य का इतिहास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

16. हिन्दी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास : पुरनचंद टण्डन एवं विनीता कुमारी

17. हिन्दी साहित्यतिहास की भूमिका (भाग–3) : सूय27प्रसाददीक्षित

18. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

19. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास : संरचना और स्वरूप : डॉ0 सुमन राजे

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	IV YEAR Honers II PAPER (CORE)	SEMESTER : VII
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010702TN**	COURSE TITTE: **भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र**	
Course outcomes: भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30
Unit	**Topic**	**No- of Lectures**

1	**इकाई – 1** • काव्य का स्वरूप, काव्य लक्षण, काव्य के तत्व, काव्य सृजन की प्रक्रिया • काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य की आत्मा	10
2	**इकाई – 2** • रस सिद्धान्त • अलंकार सिद्धान्त • रीति सिद्धान्त • वक्रोक्ति सिद्धान्त • ध्वनि सिद्धान्त • औचित्य सिद्धान्त	20
3	**इकाई – 3** • प्लेटों के काव्य सिद्धान्त • अरस्तू : अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धान्त	10

4	**इकाई – 4** • वड्र्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धान्त • कॉलरिज : कल्पना और फैंटेली • टी0एस0 इलियट : निवैयक्तिकता का सिद्धान्त, परंपरा की अवधारणा • आई0ए0 रिचड्र्स : संप्रेषण सिद्धान्त, काव्यभाषा सिद्धान्त, मूल सिद्धान्त	**20**

संदर्भ ग्रंथ :–

01. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त, लेखक डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त, प्रकाशक लोकभारती प्रकाशन।

02. काव्यशास्त्र, लेखक डॉ0 भगीरथ मिश्र, प्रकाशक विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।

03. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, लेखक डॉ0 विवेक शंकर, प्रकाशक राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।

04. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, रामचन्द्र तिवारी।

05. साहित्य शास्त्र, लेखक आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक नंदकिशोर एण्ड सन्स, वाराणसी।

06. भारतीय काव्यशास्त्र, आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा।

07. हिन्दी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार, रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।

08. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा आलोचना, प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, श्यामा प्रकाशन संस्थान प्रयागराज।

09. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ, डॉ0 सत्यदेव मिश्रा।

10. वाद–विवाद संवाद नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

सौन्दर्य शास्त्र के तत्व, कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	IV YEAR Honers III PAPER (CORE)	SEMESTER : VII
Subject : Hindi		
COURSE CODE: A010703TN	COURSE TITTE: **प्राचीन एवं मध्यकालीन काल**	
Course outcomes: प्राचीन एवं मध्यकालीन काल के कवियो एवं काल का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
01	**ईकाई – 1 आदिकालीन काल** विद्यापति (संपादक – रामवृक्ष बेनीपुरी) पद : 1,2,5,10,18,23,27 (कुल 07 पद) **अथवा** चन्दबरदाई (संपादक – माताप्रसाद गुप्त) : कयमासवध	15
02	**ईकाई – 2 निर्गुण भक्तिकाव्य** कबीर : (संपादक – हजारी प्रसाद द्विवेदी) पद संख्या : 35,108,112,123,126,134,153 (कुल 07 पद) साखी संख्या : 103,113,139,157,190,191,199 (कुल 07 पद) जायसी : (संपादक – रामचन्द्र शुक्ल) नागमती वियोग खंड	15
03	**ईकाई – 3 सगुण भक्तिकाव्य** सूरदास – भ्रमरगीत : सार (संपादक – रामचन्द्र शुक्ल) पद संख्या : 3,4,7,9,11,16,18,21,22,24,30,34,37,42,45 (कुल 15 पद) तुलसीदास : अयोध्या काण्ड – दोहा संख्या 185 से अन्त	15

04	**ईकाई – 4 रीतिकालीन काव्य** बिहारी – बिहारी रत्नाकर – जगन्नाथदास रत्नाकर (संपादक) दोहा संख्या – 1,5,7,15,19,20,21,22,25,38,42,45,71,85,91,99,106,127,135 (कुल 20 पद) धनानंद ग्रंथावली – संपादक – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – 1,2,3,4,5,6,7,8,9,10 (कुल 10 पद)	15

संदर्भ पुस्तकें :

01. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आ. – हजारी प्रसाद द्विवेदी – पटना

02. कबीर – आ. – हजारी प्रसाद द्विवेदी – राजकमल, नई दिल्ली

03. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय – पीताम्बर दत्त वडथ्वाल – लखनऊ

04. कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत – साहित्य निकेतन, कानपुर

05. कबीर एक नई दृष्टि – रघुवंश – इलाहाबाद

06. कबीर – विजयेन्द्र स्नातक – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

07. कबीर का रहस्यवाद – रामकुमार वर्मा – साहित्य भवन, इलाहाबाद

08. कबीर का अनुशीलन – रामकुमार वर्मा – साहित्य भवन, इलाहाबाद

09. विद्यापति – डॉ0 शिव प्रसाद सिंह – साहित्य भवन, इलाहाबाद

10. महाकवि विद्यापति – स्थापना और विवेचन – डॉ0 कृष्णनन्दन 'पीयूष' – सामयिक प्रकाशन, दिल्ली

11. विद्यापति : युग और साहित्य – डॉ0 अरविन्द नारायण सिन्हा – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

12. विद्यापति ठाकुर – शिवनन्दन ठाकुर

13. विद्यापति अनुशीलन (भाग–1 व 2) – डॉ0 वीरेन्द्र श्रीवास्तव – बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

14. चंदबरदायी और उनका काव्य – डॉ0 विपिन बिहारी त्रिवेदी – हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद

15. रासो साहित्य और पृथ्वीराज रासो – नरोत्तम स्वामी – भारती विद्यामन्दिर, बीकानेर

16. पद्मावती समय – डॉ0 विश्वनाथ गौड़ – साहित्य निकेतन, कानपुर

17. जायसी – विजयदेव नारायण साही – इलाहाबाद

18. पद्मावत – (स) वासुदेव शरण अग्रवाल – झाँसी

19. हिन्दी सूफी काव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
20. जायसी पद्मावत काव्य और दर्शन – गोविन्द त्रिगुणायत – साहित्य निकेतन, कानपुर
21. सूफी संत साहित्य का उद्भव विकास – जयबहादुर लाल – साहित्य निकेतन, कानपुर
22. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य – नामवर सिंह – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
23. मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य – शिवसहाय पाठक – साहित्य भवन, इलाहाबाद
24. उत्तर भारत के निर्गुण पंथ साहित्य का इतिहास – डॉ0 विष्णुदत्त ''राकेश'' – साहित्य भवन, इलाहाबाद
25. जायसी काव्य के इस्लामी तत्व – जरीना रहमत – साहित्य भवन, इलाहाबाद
26. सूर साहित्य – आ – हजारी प्रसाद द्विवेदी
27. सूरदास और उनका काव्य – गोवर्धन लाल शुक्ल
28. मध्ययुगीन हिन्दी भक्ति काव्य का विवेचन – गिरधर प्रसाद शर्मा – तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
29. रीतिकालीन श्रंगारिक सतसइयों का तुलनात्मक अध्ययन – पुष्पलता – तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
30. महाकवि घनानन्द – राज बुद्धिराजा – तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
31. बिहारी काव्य का अभिनव मूल्यांकन – किशोरी लाल – साहित्य भवन, इलाहाबाद
32. महाकवि सूरदास – नन्द दुलारे बाजपेयी – राजकमल, दिल्ली
33. हिन्दी रीति साहित्य – भगीरथ मिश्र – राजकमल, दिल्ली
34. तुलसी – उदयभानु सिंह – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
35. विश्वकवि तुलसीदास – रामप्रसाद मिश्र – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
36. लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
37. तुलसी दल – डॉ0 योगेन्द्र सिंह – तुलसी पीठ प्रकाशन, इटावा
38. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल – काशी नागरी प्रचारिणी सभा
39. तुलसीदास – मदन गोपाल गुप्त – सेतु प्रकाशन, झाँसी
40. तुलसी आधुनिक वातायन से – रमेश कुन्तल मेध – भारतीय ज्ञानपीठ
41. बिहारी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
42. बिहारी और उनका साहित्य – हरवंश लाल शर्मा
43. कवित्रयी (बिहारी, देव, धनानन्द) – गिरीश चन्द्र तिवारी – पुस्तक प्रचार, दिल्ली

44. बिहारी और धनानन्द – परमलाल गुप्त

45. घनानन्द और स्वच्छन्द कालधारा – मनोहर लाल गौड़ – काशी नागरी प्रचारिणी

46. घनानन्द : काव्य और आलोचना – किशोरी लाल – साहित्य भवन, इलाहाबाद

47. सूर का भ्रमरगीतसार – राजनाथ शर्मा – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

48. भारतीय साधना और सूर साहित्य – मुंशीराम शर्मा

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	IV YEAR Honers IV PAPER (CORE)	SEMESTER : VII
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010704TN**	COURSE TITTE: **आधुनिक हिन्दी काव्य**	
Course outcomes: आधुनिक हिन्दी काव्य के कवियो एवं काल का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
1	**<u>इकाई – 1</u>** • मैथिलीशरण गुप्त : साकेत • नवम् सर्ग	10
2	**<u>इकाई – 2</u>** • जयशंकर प्रसाद : कामायिनी : चिन्ता, श्रद्धा सर्ग • सूर्यकान्त त्रिपाठी ''निराला'' : राम की शक्तिपूजा	20
3	**<u>इकाई – 3</u>** • अज्ञेय : असाध्य वीणा • मुक्ति बोध : अंधेरे में	20
4	**<u>इकाई – 4</u>** • दिनकर : कुरूक्षेत्र (छठवां सर्ग)	10

संदर्भ ग्रंथ :

01. नयी कविता और अस्तित्ववाद – डॉ0 रामविलास शर्मा

02. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह

03. कविता की जमीन और जमीन की कविता – नामवर सिंह

04. आधुनिक हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

05. समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव

06. साकेत : एक अध्ययन – नगेन्द्र

07. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंतःसूत्र – कृष्णदत्त पालीवाल

08. त्रयी (प्रसाद, निराला और पंत) – जानकीवल्लभ शास्त्री

09. छायावाद के आधार–स्तंभ – गंगाप्रसाद पाण्डेय

10. हिन्दी प्रबन्ध काव्यों में छायावादी अवधारणा : डॉ0 राजेश कुमार तिवारी ''विरल''

11. छायावाद – नामवर सिंह

12. पन्त प्रसाद और मैथिलीशरण : दिनकर

13. अपराजेय निराला – डॉ0 आशीष पाण्डेय

14. छायावादी कवियों का सौंदर्य – विधान – सूर्यप्रसाद दीक्षित

15. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे बाजपेयी

16. कामायनी : एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध

17. कामायनी के अध्ययन की समस्या – नगेन्द्र

18. निराला की साहित्य साधना, भाग–2, – रामविलास शर्मा

19. कवि निराला – नंददुलारे बाजपेयी

20. निराला : आत्महंता आस्था – दुधनाथ सिंह

21. निराला काव्य की छवियाँ – नंदकिशोर नवल

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	IV YEAR Honers V PAPER (CORE)	SEMESTER : VII
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010705TN**	COURSE TITTE: **भाषा एवं साहित्य शोध प्रविधि**	
Course outcomes: भाषा एवं साहित्य शोध प्रविधि की शोघ संकल्पनाओं का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
	इकाई – 1 • शोध : अभिप्राय, स्वरूप तथा प्रयोजन • साहित्य एवं भाषा सम्बन्धी अनुसंधान के प्रकार • शोध की प्रक्रिया	08
	इकाई – 2 • विषय चयन • परिकल्पना • विषय की रूपरेखा • सामग्री संग्रह का साधन • सामग्री का वर्गीकरण – विश्लेषण	12
	इकाई – 3 • पाठानुसंधान / पाठशोध की विधि • शोध प्रायोगिक विधियाँ : प्रश्नावली, साक्षत्कार तथा सत्रीय कार्य • शोध कार्य के विविध आयाम एवं विविध पक्ष • शोध विषय : समस्यायें एवं समाधान • शोध प्रबन्ध लेखन	20
	इकाई – 4 • भारत में भाषावैज्ञानिक अध्ययन • लोक भाषा कोश निर्माण की प्रविधि • भाषा सर्वेक्षण प्रविधि	20

संदर्भ ग्रंथ :

01. शोध पद्धतियाँ : डॉ0 बी0एल0 फड़िया

02. शोध पथ : डॉ0 कैलाश चन्द्र शर्मा ''शंकी''

03. शोध क्या, क्यों और कैसे ? : डॉ0 महेन्द्र राजा जैन

04. शोध चरण : डॉ0 रामविलास शर्मा, सौरव गुप्ता

05. हिन्दी अनुसंधान : विजयपाल सिंह

06. अनुसंधान प्रविधि : सिद्धान्त और प्रक्रिया : एस.एन. गणेशन

07. भाषा और हिन्दी भाषा : डॉ0 नरेश मिश्रा

08. शोध प्रविधि : डॉ0 विनयमोहन शर्मा

09. शोध प्रविधि : सं0 डॉ0 विवेक मिश्रा

10. अनुसंधान की प्रक्रिया : सं0 डॉ0 सावित्री सिन्हा, डॉ0 विजयेन्द्र स्नातक

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	**IV YEAR/ P.G.** **VI PAPER (CORE)**	**SEMESTER : VII**
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010706RN**	COURSE TITTE: शोध परियोजना/लधु शोध	
Course outcomes: छात्रों को लधुशोध परियोजना का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30
Unit	**Topic**	**No- of Lectures**

'लधुशोध परियोजनाः—समस्त छात्र/छात्राएं एक लधुशोध परियोजना का चयन करेगें।

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	IV YEAR Honers I PAPER (CORE)	SEMESTER : VIII
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010801TN**	COURSE TITTE: **हिंदी गद्य का इतिहास**	
Course outcomes: हिंदी गद्य का इतिहास का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
	इकाई – 1 : ● भारतीय उपन्यास की अवधारणा ● प्रेमचंद्र पूर्व उपन्यास ● प्रेमचन्द और उनका युग ● प्रेमचन्द के परवर्ती उपन्यासकार ● हिन्दी कहानी का उद्‌भव और विकास ● प्रमुख कहानी आन्दोलन और कहानीकार	10
	इकाई – 2 : ● हिन्दी नाट्य साहित्य का उद्‌भव और विकास ● भारतेन्दु युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग, स्वातंत्योत्तर युग, साठोत्तर युग और नया नाटक ● हिन्दी एकांकी का उद्‌भव और विकास	15
	इकाई – 3 : ● हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास ● समकालीन हिन्दी आलोचना और उसके विविध प्रकार ● प्रमुख आलोचक तथा आलोचना दृष्टि ● हिन्दी निबन्ध का उद्‌भव और विकास ● हिन्दी निबन्ध के प्रकार और प्रमुख निबन्धकार	10
	इकाई – 4 : ● हिन्दी की अन्य गद्य विधाओं का इतिहास ● रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा साहित्य, आत्मकथा, जीवनी, रिपोर्ताज, डायरी	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. रतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : संपादक डॉ. नगेन्द्र
5. साहित्य का इतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा
6. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : रामकुमार वर्मा
7. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पांडेय
8. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1, 2) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10.हिंदी साहित्य का इतिहास : पूरनचंद टंडन, विनीता कुमारी
11.अपभ्रंश साहित्य : हरिवंश कोछड़
12.आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : राममूर्ति त्रिपाठी
13.साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
14.हिंदी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
15.हिंदी काव्य का इतिहास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
16.हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास : पूरनचंद टण्डन एवं विनीता कुमारी
17.हिंदी साहित्यतिहास की भूमिका (भाग – 3) : सूर्यप्रसाद दीक्षित
18.हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	IV YEAR Honers II PAPER (CORE)	SEMESTER : VIII
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010802TN**	COURSE TITTE: हिन्दी नाटक तथा एकांकी	
Course outcomes: हिन्दी नाटक तथा एकांकी का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
01	**इकाई – 1 :** • भारत दुर्दशा	15
02	**इकाई – 2 :** • जयशंकर प्रसाद : ध्रुवस्वामिनी	15
03	**इकाई – 3 :** • मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन	15
04	**इकाई – 4 :** • एकांकी 01. कौमुदी महोत्सव : डॉ० राम कुमार वर्मा 02. भोर का तारा : जगदीश चन्द्र माथुर 03. स्ट्राइक : भुवनेश्वर 04. लक्ष्मी का स्वागत : उपेन्द्रनाथ ''अश्क''	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास : दशरथ ओझा भुवनेश्वर
2. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच : नेमिचंद्र जैन
3. हिंदी नाटक : समाजशास्त्रीय अध्ययन : सीताराम झा

4. भारतेन्दु हरिश्चंद्र : रामविलास शर्मा
5. नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना : सत्येंद्र तनेजा
6. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता : प्रभाकर श्रोत्रिय
7. प्रसाद के नाटक : देश और काल की बहुआयामिता : रमेश गौतम
8. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी
9. मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि : मोहन राकेश
10. ओझा का हिंदी नाटक : प्रगति और प्रभाव : दशरथ ओझा
11. मोहन राकेश के सम्पूर्ण नाटक : नेमिचंद्र जैन
12. हिंदी नाटक : मिथक और यथार्थ : रमेश गौतम
13. हिंदी नाटक : आजकल : जयदेव तनेजा
14. भारतीय नाट्य साहित्य : नगेंद्र

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	IV YEAR Honers III PAPER (CORE)	SEMESTER : VIII
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010803TN**	COURSE TITTE: कथा साहित्य	
Course outcomes: हिन्दी कथा साहित्य का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
01	**इकाई – 1 :** ● गोदान : प्रेमचंद	15
02	**इकाई – 2 :** ● मैला आँचल रू फणीश्वर नाथ रेणु	15
03	**इकाई – 3 :** ● उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी ● आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद ● जिंदगी और जोंक : अमरकांत ● यही सच है : मन्नू भंडारी	04
04	**इकाई – 4 :** ● चीफ की दावत : भीष्म साहनी ● तीसरी कसम : रेणु ● परिंदे : निर्मल वर्मा ● पिता : ज्ञानरंजन	15

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
2. प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन : नंददुलारे वाजपेयी
3. आज का हिंदी उपन्यास : इंद्रनाथ मदान
4. मैला आँचल की रचना – प्रक्रिया : देवेश ठाकुर
5. आधुनिक हिंदी उपन्यास : सं. नरेंद्र मोहन
6. क्रांति का विचार और हिंदी उपन्यास : प्रेम सिंह
7. कहानी : नयी कहानी : नामवर सिंह
8. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	IV YEAR Honers IV PAPER (CORE)	SEMESTER : VIII
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010804TN**	COURSE TITTE: **कथेतर गद्य साहित्य**	
Course outcomes: हिन्दी कथा साहित्य का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
1	**इकाई – 1 : निबन्ध** ● रामचंद्र शुक्ल, 'कविता क्या है' ? ● हजारीप्रसाद द्विवेदी : 'नाखून क्यों बढ़ते हैं'। ● विद्यानिवास मिश्र – 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है'।	15
2	**इकाई – 2 : आत्मकथा एवं जीवनी** ● विष्णु प्रभाकर : 'आवारा मसीहा' ● हरिवंश राय बच्चन : 'क्या भूलूं क्या याद करू'	15
3	**इकाई – 3 : रेखाचित्र एवं संस्मरण** ● महादेवी वर्मा : 'स्मृति की रेखाएँ' ● गणेश शंकर विद्यार्थी : 'जेल जीवन की झलक'	15
4	**इकाई – 4 : यात्रावृत्तांत एवं पत्र साहित्य** ● यात्रावृत्तांत : राहुल सांस्कृतायन – मेरी तिब्बत यात्रा (प्रथम खण्ड) ● पत्र साहित्य : मुक्तिबोध के पत्र नेमिचंद्र जैन को	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा
3. निराला की साहित्य – साधना (भाग 1 व 2) : रामविलास शर्मा
4. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
5. कवि मन : अज्ञेय
6. अज्ञेय की काव्यतितीर्षा : नंद किशोर आचार्य
7. साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध : महादेवी वर्मा
8. चिंतामणि (भाग 1 व 2) : रामचंद्र शुक्ल

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	IV YEAR Honers V PAPER (CORE)	SEMESTER : VIII
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010805TN**	COURSE TITTE: **शोधात्मक लेखन**	
Course outcomes: छात्रों को शोधात्मक लेखन का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30
Unit	**Topic**	**No- of Lectures**

1	**इकाई – 1 : शोध का स्वरूप, शोध का अर्थ, विभिन्न पर्याय, अनुसंधान, आलोचना, पाठानुसंधान आदि की परिभाषा।** शोधपत्र, लघुशोध, शोध प्रबन्ध की प्रारंभिक विशेषताएँ	15
2	**इकाई – 2 : विविध – पत्राचार, प्रश्नोत्तरी, साक्षात्कार, शोध–पत्र,** आधार ग्रंथ – आदि का पारायण । शोध की प्रक्रिया, विषय–निर्धारण, निर्देशन, शोध की प्रारंभिक आवश्यकताएँ शोध सामग्री या संमेलन तथा सूचीकरण, विश्लेषण, समीक्षण तथा लेखन	15
3	**इकाई – 3 : शोध का स्वरूप, शोध–कार्य का आकलन, अनुक्रमणिका निर्माण, भूमिका–लेखन, पाद–टिप्पणी** परिशिष्ट–लेखन, सन्दर्भ ग्रन्थ सूची पाडुलिपि अवलोकन, सम्पादन, अशुद्धियों का निर्मूलन और प्रबन्ध का प्रस्तुतीकरण ।	15
4	**इकाई – 4 : विषय चयन, शोध पत्र का प्रारूप, परिकल्पना निर्माण, विश्लेषण निष्कर्ष, लेखन सुझाव, लेखन प्रकाशन आदि**	15

संदर्भ ग्रन्थ :

1. शोध पद्धतियाँ : डॉ० बी०एल० फड़िया
2. शोध पथ : डॉ० कैलाश चन्द्र शर्मा ''शंकी''
3. शोध क्या, क्यों और कैसे ? : डॉ० महेन्द्र राजा जैन
4. शोध चरण : डॉ० रामनिवास शर्मा, सौरव गुप्ता
5. हिंदी अनुसंधान : विजयपाल सिंह
6. अनुसंधान प्रविधि : सिद्धान्त और प्रक्रिया : एस. एन. गणेशन
7. भाषा और हिन्दी भाषा : डॉ. नरेश मिश्रा
8. शोध प्रविधि : डॉ0 विनयमोहन शर्मा
9. शोध प्रविधि, सं, डॉ विवेक मिश्र
10. अनुसंधान की प्रक्रिया, सं, डॉ सावित्री सिंहा, डॉ विजयेन्द्र स्नानक

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	IV YEAR/ P.G. VI PAPER (CORE)	SEMESTER : VIII
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010806RN**	COURSE TITTE: शोध परियोजना/लधु शोध	
Course outcomes: छात्रों को लधुशोध परियोजना का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30
Unit	**Topic**	**No- of Lectures**

'लधुशोध परियोजनाः–समस्त छात्र/छात्राएं एक लधुशोध परियोजना का चयन करेगें।

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. I PAPER (CORE)	SEMESTER : IX
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010901TN**	COURSE TITTE: **आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि**	
Course outcomes: छात्रों को आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
1.	**इकाई–1** ● भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता आन्दोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि ● हिन्दी नवजागरण : भारतेन्दु, महावीर प्रसाद द्विवेदी तथा अन्य रचनाकार ● खड़ी बोली आन्दोलन ● हिन्दी नवजागरण में विभिन्न संस्थाओं की भूमिका	15
2.	**इकाई–2** (भाषा एवं साहित्य के विशेष सन्दर्भ में) ● गाँधीवादी दर्शन ● अम्बेदकर दर्शन ● दीनदयाल उपाध्याय का दर्शन ● लोहिया दर्शन	15
3.	**इकाई–3** ● राष्ट्र निर्माण, संविधान सभा और भाषा विमर्श ● भारत में भाषा आन्दोलन (हिन्दी) ● भारत में साहित्यिक आन्दोलन (हिन्दी)	15
4.	**इकाई–4** ● भारतीय एवं पाश्चात्य संस्कृति की अवधारणा ● राष्ट्रवाद : भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा ● आदर्शवाद और यथार्थवाद का द्वन्द्व ● आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता	15

संदर्भ ग्रन्थ :

1. आधनिकता और आधुनिकीकरण, रमेश कुतल मेघ
2. The Subject of Muderrity - Anthony J. Casscardi
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण – रामविलास शर्मा
4. पं0 दीनदयाल उपाध्याय : कर्तव्य एवं विचार – डॉ० महेशचन्द्र शर्मा

5. गाँधी दर्शन – चन्द्रदेव प्रसाद
6. गाँधी का दर्शन – संगम लाल पाण्डेय
7. डॉ० अम्बेडकर दर्शन –देवेन्द्र कुमार प्रभाकर
8. पं0 दीनदयाल उपाध्याय विचार दर्शन, तत्व जिज्ञासा– डी० वी० ठेंगड़ी
9. डॉ० लोहिया का समाजवादी दर्शन– ताराचंद दीक्षित
10. भारतीय नवजागरण और यूरोप – रामविलास शर्मा
11. नवजागरण की निर्मिति – कर्मेन्दु शिशिर
12. नवजागरण और संस्कृति – कर्मेन्दु शिशिर
13. भारतीय स्वातंत्र आन्दोलन और हिन्दी साहित्य – डॉ० कीर्तिलता
14. परस्पर (भाषा – साहित्य – आन्दोलन) – राजीव रंजन गिरि
15. हिन्दी भाषा आन्दोलन – सेठ गोविन्द राज
16. Language Movements in India - E.Annamalai (Ed.)
17. हिन्दी भाषा आन्दोलन – लक्ष्मीचन्द्र

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. II PAPER (CORE)	SEMESTER : IX
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010902TN**	COURSE TITTE: **भाषा और भाषाविज्ञान**	
Course outcomes: छात्रों को भाषा और भाषाविज्ञान का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
1.	**इकाई –1 भाषा और भाषाविज्ञान** ● भाषा और भाषाविज्ञान की परिभाषा,अभिलक्षण,स्वरूप और व्याप्ति ● भाषा–व्यवस्था (लांग) और भाषा–व्यवहार (परोल). ● भाषा और संप्रेषण ● मानवेतर संप्रेषण और मानव–संप्रेषण	15
2.	**इकाई –2 स्वनविज्ञान और स्वनिमविज्ञान** ● स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएं ● स्वन– परिवर्तन के कारण ● स्वनिम के भेद : खंडीय एवं खंडेतर ● स्वन, स्वनिम और सहस्वन ● स्वनिम और सहस्वन का निर्धारण	15
3.	**इकाई –3 रूपविज्ञान एवं रूपिमविज्ञान** ● रूप, रूपिम और सहरूप ● रूपिमविज्ञान ● शब्द और पद ● अर्थतत्व एवं संबंध तत्व ● संबंधतत्व के प्रकार	15
4.	**इकाई –4 वाक्यविज्ञान, प्रोक्ति एवं अर्थविज्ञान** ● वाक्य–रचना के आधार ● वाक्य के प्रकार ● वाक्य के निकटतम अवयव ● प्रेक्ति का स्वरूप, प्रोक्ति–विश्लेषण ● शब्द और अर्थ का संबंध ● अर्थ प्रतीति के साधन ● अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ	15

संदर्भ ग्रन्थ :

1. सामान्य भाषाविज्ञान : बाबूराम सक्सेना
2. भाषाविज्ञान : भोलानाथ तिवारी
3. भाषाविज्ञान की भूमिका : देवेन्द्र नाथ शर्मा
4. आधुनिक भाषाविज्ञान :राजमणि शर्मा
5. भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदयनारायण तिवारी
6. भाषा और समाज : रामविलास शर्मा
7. भाषा : ब्लूमफील्ड (अनुवाद : विश्वनाथ प्रसाद)
8. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
9. सामान्य भाषाविज्ञान : वैश्ना नारंग
10. ध्वनिविज्ञान : गोलोक बिहारी ढल
11. अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान : रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. III PAPER (ELECTIVE-A)	SEMESTER : IX
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010903TN**	COURSE TITTE: **कबीरदास**	
Course outcomes: छात्रों को कबीरदास के साहित्य का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30
Unit	**Topic**	**No- of Lectures**

पाठ्य विषय –

कबीर ग्रन्थावली– श्याम सुन्दर दास – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

अथवा

कबीर बाड्.मय – डॉ० जयदेव सिंह एवं 'डॉ० वासुदेव सिंह – विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी

1.	**इकाई –1** ● भक्ति काव्य की पृष्ठभूमि, प्रवृतियाँ तथा कबीर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	15
2.	**इकाई –2** ● साखी : व्याख्या भाग, विशलेषणात्मक प्रश्न, निबन्धात्मक एवं लधु उत्तरीय प्रश्न	15
3.	**इकाई –3** ● पद : व्याख्या भाग, विशलेषणात्मक प्रश्न, निबन्धात्मक एवं लधु उत्तरीय प्रश्न	15
4.	**इकाई –4** ● रमैनी : व्याख्या भाग, विशलेषणात्मक प्रश्न, निबन्धात्मक एवं लधु उत्तरीय प्रश्न	15

संदर्भ ग्रन्थ :

1. कबीर – आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी– राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. कबीर की विचारधारा– गोविन्द त्रिगुणायत – साहित्य निकेतन, कानपुर
3. आधुनिक कबीर –राजदेव सिंह
4. उत्तर भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी
5. कबीर बानी – सं0 भगीरथ मिश्र, कमल प्रकाशन, इन्दौर
6. संत कबीर – डॉ0 राम कुमार वर्मा
7. कबीर– विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
8. अकथ कहानी प्रेम की (कबीर की कविता और उनका समन) – डॉ0 पुरुषोतम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. III PAPER (ELECTIVE-B)	SEMESTER : IX
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010904TN**	COURSE TITTE: **सूरदास**	
Course outcomes: छात्रों को सूरदास के साहित्य का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30
Unit	**Topic**	**No- of Lectures**

व्याख्या के लिए प्राश्निक निम्नलिखित ग्रंथ के आधार पर प्रश्न–पत्र बना सकते हैं

पाठ्य विषय –

सूरसागर – नागरी प्रचारणी सभा, काशी

अथवा

सूरसागर – सं0 डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा

1.	**इकाई –1** • महाकवि सूर : जीवनवृत्त तथा साहित्य	15
2.	**इकाई –2** • सूरसागर : (ग्रीष्मलीला से हस्तीवध तक) व्याख्या भाग, विशलेषणात्मक प्रश्न, निबन्धात्मक एवं लधु उत्तरीय प्रश्न)	15
3.	**इकाई –3** • सूरसागर : (वसुदेव दर्शन से रूक्मिणी परीक्षा तक) व्याख्या भाग, विशलेषणात्मक प्रश्न, निबन्धात्मक एवं लधु उत्तरीय प्रश्न	15
4.	**इकाई –4** • सूरसागर : (सुदामा चरित्र से नारायण अवतार तक) व्याख्या भाग, विशलेषणात्मक प्रश्न, निबन्धात्मक एवं लधु उत्तरीय प्रश्न	15

संदर्भ ग्रन्थ :

1. सूरदास –रामचन्द्र शुक्ल–नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. सूर निर्णय – प्रभुदयाल मीतल
3. अष्टछाप और बल्लभ सम्प्रदाय– दीनदयाल गुप्त
4. भक्ति आन्दोलन और सूर काव्य – मैनेजर पाण्डेय
5. सूरदास और उनका साहित्य – हरबंश लाल शर्मा
6. सूर साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. सूरदास और उनका काव्य – गोवर्धन लाल शुक्ल
8. सूरसौरभ– मुंशीराम सोम – ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर
9. साहित्यः नवमूल्यांकन – रावत चन्द्रभान– जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
10. महाकवि सूरदास– जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल – रवीन्द्र प्रकाशन, आगरा
11. सूर का भ्रमरगीत : अन्वेषण– विश्वम्भर नाथ उपाध्याय –विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. III PAPER (ELECTIVE-C)	SEMESTER : IX
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010905TN**	COURSE TITTE: **तुलसीदास**	
Course outcomes: छात्रों को तुलसीदास के साहित्य का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30
Unit	**Topic**	**No- of Lectures**

पाठ्य विषय –

1. रामचरित मानस (अयोध्याकाण्ड सम्पूर्ण).
2. विनयपत्रिका (आरम्भ के पचास पद) गीता प्रेस, गोरखपुर
3. कवितावली (प्रारम्भ के चार काण्ड)
4. दोहावली (प्रारम्भ के 100 दोहे)

1.	**इकाई –1** ● महाकवि तुलसी : जीवनवृत्त तथा साहित्य	**15**
2.	**इकाई –2** ● रामचरित मानस(अयोध्याकाण्ड सम्पूर्ण) : व्याख्या भाग, विशलेषणात्मक प्रश्न, निबन्धात्मक एवं लधु उत्तरीय प्रश्न)	**15**
3.	**इकाई –3** ● विनयपत्रिका (आरम्भ के पचास पद) : व्याख्या भाग, विशलेषणात्मक प्रश्न, निबन्धात्मक एवं लधु उत्तरीय प्रश्न	**15**
4.	**इकाई –4** ● कवितावली (प्रारम्भ के चार काण्ड) ● दोहावली (प्रारम्भ के 100 दोहे) ● व्याख्या भाग, विशलेषणात्मक प्रश्न, निबन्धात्मक एवं लधु उत्तरीय प्रश्न	**15**

संदर्भ ग्रन्थ :

1. गोस्वामी तुलसीदास रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. तुलसी दर्शन– बलदेव प्रसाद मिश्र –इलाहाबाद
3. तुलसी – उदयभानु सिंह – दिल्ली ।
4. रामकथा : उत्पत्ति और विकास – कामिल बुल्के – इलाहाबाद
5. राम काव्य और तुलसी – प्रेमशंकर – दिल्ली
6. लोकवादी तुलसी – विश्वनाथ त्रिपाठी – दिल्ली
7. तुलसी सर्वेक्षण – रामप्रसाद मिश्र – इडियन प्रकाशन, डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली
8. तुलसीदास और उनका काव्य – रामनरेश त्रिपाठी– राजपाल प्रकाशन,दिल्ली
9. तुलसी रसायन– भगीरथ मिश्र– साहित्य भवन, इलाहाबाद
10. तुलसी मानस रत्नाकर – भाग्यवती सिंह, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
11. तुलसी दल – डॉ0 योगेन्द्र सिंह – ममता प्रेस – इटावा तुलसीपीठ प्रकाशन

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. III PAPER (ELECTIVE-D)	SEMESTER : IX
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010906TN**	COURSE TITTE: **प्रेमचन्द**	
Course outcomes: छात्रों को प्रेमचन्द के साहित्य का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

पाठ्य विषय –

कहानी संग्रह, सोजेवेतन, पंच परमेश्वर, ईदगाह, मंत्र (कहानियाँ), गबन, निर्मला (उपन्यास)

Unit	Topic	No- of Lectures
1.	**इकाई –1** ● आधुनिक हिन्दी कहानी का विकास तथा प्रमचन्द्र का उदय। मुंशी प्रेमचन्द्र का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	15
2.	**इकाई –2** ● सोजेवेतन (कहानी संग्रह), पंच परमेश्वर ईदगाह, मंत्र (कहानियाँ व्याख्या भाग, विशलेषणात्मक प्रश्न, निबन्धात्मक एवं लधु उत्तरीय प्रश्न	15
3.	**इकाई –3** ● उपन्यास – गबन एवं निर्मला व्याख्या भाग, विशलेषणात्मक प्रश्न, निबन्धात्मक एवं लधु उत्तरीय प्रश्न	15
4.	**इकाई –4** ● प्रेमचन्द्र साहित्य का मूल्यांकन, कथा एवं शिल्प तथा अवदान।	15

संदर्भ ग्रन्थ :

1. प्रेमचन्द एक विवेचन, नन्द दुलारे वाजपेई
2. प्रेमचन्द, इन्द्रनाथ मदान
3. कलम का सिपाही, अमृतराय
4. प्रेमचन्द और उनका युग, राम विलास शर्मा
5. प्रेमचन्द की प्रासंगिकता, शिव कुमार मिश्र
6. प्रेमचन्द जीवन और कृतित्व, हंसराज रहबर, दिल्ली
7. प्रेमचन्द कोश, कमल किशोर गोयनका, दिल्ली

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. III PAPER (ELECTIVE-E)	SEMESTER : IX
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010907TN**	COURSE TITTE: **आचार्य रामचन्द्र शुक्ल**	
Course outcomes: छात्रों को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के साहित्य का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
1.	**इकाई –1** • आचार्य रामचनद्र शुक्ल, व्यक्ति, रचनाकर्म तथा हिन्दी साहित्य में योगदान	15
2.	**इकाई –2** • चिन्तामणि (भाग एक) व्याख्या भाग, विशलेषणात्मक प्रश्न, निबन्धात्मक एवं लधु उत्तरीय प्रश्न	15
3.	**इकाई –3** • चिन्तामणि (भाग–दो),पंच परमेश्वर, ईदगाह, मंत्र (कहानियाँ व्याख्या भाग, विशलेषणात्मक प्रश्न, निबन्धात्मक एवं लघु उत्तरीय प्रश्न	15
4.	**इकाई –4** • रस मीमांसाः व्याख्या, विशलेषणात्मक तथा निबन्धात्मक एवं लधु उत्तरीय प्रश्न	15

पाठ्य विषय –

चिंतामणित भाग 1,

संदर्भ/ उपयोगी पुस्तकें–

1. चिन्तामणि नामवर सिंह कमल प्रकाशन, दिल्ली
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : सिद्धान्त और साहित्य– जयचन्द राय ।
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – शम्भूनाथ पाण्डेय,
4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और चिन्तामणि – कृष्णदेव शर्मा

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. IV PAPER (ELECTIVE-A)	SEMESTER : IX
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010908TN**	COURSE TITTE: **हिन्दी रंगमंच**	
Course outcomes: छात्रों को हिन्दी रंगमंच का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
1.	**इकाई –1** ● नाटक और रंगमंच का स्वरूप ● नाटक सम्बन्धी विविध मत ● नाटक की अवधारणा ● नाटक अध्ययन का स्वरूप – नाटक का विधागत वैशिष्ट्य ● नाटक और रंगमंच ● नाटक और रंगमंच का अन्तःसम्बन्ध ● नाटक और दृश्य और श्रव्य तत्वों का समायोजन ● नाटय भेद – ● भारतीय रूपक– उपरुपकों के भेद (सामान्य परिच)	15
2.	**इकाई –2** पारम्परिक नाट्य रूपक रामलीला, रासलीला, स्वांग, नौटकी, माच, ख्याल, आदि पाश्चात्य नाटक (सामान्य परिचय)	15
3.	**इकाई –3** ● नाट्य– विधान : भारतीय व ं पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्वों का विस्तृत विवेचन रंगमंच के प्रकार, रंगशिल्प, रंग राम्प्रेषण के विविध घटक (मूर्त एवं अमूर्त)	15
4.	**इकाई –4** ● विश्व के प्रमुख रंग चिन्तक : भरत– स्तानिस्लाव्स्की, ब्रेख्त के अभिनय सिद्धान्त रंगमंच का संक्षिप्त इतिहास ● पृथ्वी थियेटर, इप्टा प्रमुख सरकारी रंग संस्थाएँ, नुक्कड नाटक	15

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. नाट्यशास्त्र : राधा बल्भम त्रिपाठी
2. रंगदर्शन : नेमिचन्द्र जैन
3. पारस्परिक भारतीय रंगमंच : कपिला वात्स्यायन
4. परमशील नाट्य : जगदीशचन्द्र माथुर
5. रंगमंच और नाटक की भूमिका : लक्ष्मी नारायण लाल
6. हिन्दी नाटक और रंगमंच : वेस्ट का प्रभाव, सुरेश वशिष्ठ
7. भारत की हिन्दी नाट्य संस्थायें एवं नाट्यशालायें :विश्वनाथ शर्मा
8. रंगमंच : सर्वानन्द
9. रंगकर्म : वीरेन्द्र नारायण
10. भारतीय रंगकोश : सम्पादक प्रतिभा अग्रवाल
11. भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंचः सीताराम चतुपदी
12. What is Theatre : Eric Bentley

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. IV PAPER (ELECTIVE-B)	SEMESTER : IX
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010909TN**	COURSE TITTE: **साहित्य एवं सिनेमा**	
Course outcomes: छात्रों को साहित्य एवं सिनेमा का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
1.	**इकाई –1** • साहित्य की अवधारणा व स्वरूप (विधागत परिचय) सिनेमा की अवधारणा,साहित्यक सिनेमा का सैद्वान्तिक पक्ष, सिनेमा में प्रयुक्त साहित्यिक विधाएँ – उपन्यास, कहानी, जीवनी, आत्कथा संस्मरण गीत आदि	15
2.	**इकाई –2** साहित्य एवं सिनेमा की रचना प्रक्रिया– शब्द–वाक्य– अनुच्छेद और शॉट, सीन, सीक्वेल, कथा–कथोपन और पटकथा – संवाद काव्य और सिनेमाई गीत, नाटक और सिनेमा, निर्देशक, पाठक और दर्शक	15
3.	**इकाई –3** हिन्दी सिनेमा का उदभव –विकास– प्रारंभिक पृष्ठभूमि, प्रथम भारतीय फिल्म, सवाक् से स्वतन्त्रता प्राप्ति तक (1931–1947) आजादी के बाद से आपातकाल तक 1948–1977) आपातकाल से भूमंडलीकरण के पूर्व तक, भूमण्डलीकरण से वर्तमान तक	15
4.	**इकाई –4** • हिन्दी साहित्यकारों की कृतियों पर बनी फिल्मों का परिचय। फणीश्वरनाथ रेणु की कथा पर 'मारे गये गुलफाम' उर्फ 'तीसरी कसम', शैलेन्द्र कृत 'तीसरी कसम', केशवप्रसाद मिश्रा के उपन्यास पर राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'नदिया के पार' तथा 'हम आपके हैं कौन' की समीक्षा ।	15

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. जलक्षत्रिय, नीरा– साहित्य और सिनेमा का अंतर्सम्बन्ध, शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली,2013
2. रंगून वाला, फिरोज– भारतीय चलचित्र का इतिहास, राजपाल एंड सन्स, नई दिल्ली, 2013
3. कुमार हरीश– सिनेमा और साहित्य, संजय प्रकाशन, दिल्ली, 2013
4. राही, मासूम रजा– सिनेमा और संस्कृति, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2001
5. पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी
6. समय सिनेमा और इतिहास : संजीव श्रीवास्तव
7. हिन्दी सिनेमा – सदी का सफर : अनिल भार्गव
8. साहित्य सिनेमा और समाज : पूरन चन्द्र टंडन, सुनील कुमार तिवारी

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. V PAPER (CORE)	SEMESTER : IX
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A010910TN**	COURSE TITTE: शोध परियोजना /लधुशोध	
Course outcomes: छात्रों को लधुशोध परियोजना का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30
Unit	**Topic**	**No- of Lectures**

लधुशोध परियोजनाः–समस्त छात्र/छात्राएं एक लधुशोध परियोजना का चयन करेगें।

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. I PAPER (CORE)	SEMESTER : X
Subject : Hindi		
COURSE CODE:	COURSE TITTE: **अस्मितामूलक विमर्श**	
Course outcomes: छात्रों को अस्मितामूलक विमर्श का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
1.	**इकाई – 1 :** ● अस्मिता को अवधारणा और सिद्धान्त ● अस्मिता के भेद : व्यक्ति अस्मिता, सामूहिक अस्मिता, हासिए की अस्मिता	15
2.	**इकाई – 2 :** ● स्त्री अस्मिता ● जेण्डर की अवधारणा ● प्रमुख स्त्रीवादी चिन्तक ● प्रतिनिधि स्त्री अस्मिता ग्रंथों का परिचय ● पाठ्यक्रम में सम्मिलित किसी कृति पर स्त्री विमर्श का विश्लेषण	15
3.	**इकाई – 3 :** ● दलित अस्मिता ● अम्बेडकर तथा उत्तर अम्बेडकर विचार ● दलित आन्दोलन ● प्रतिनिधि दलित साहित्यकार ● पाठ्यक्रम में सम्मिलित किसी कृति पर दलित विमर्श का विश्लेषण	15
4.	**इकाई – 4 :** ● आदिवासी अस्मिता ● आदिवासी संदर्भ ● आदिवासी साहित्य ● पाठ्यक्रम में सम्मिलित किसी कृति पर आदिवासी विमर्श का विश्लेषण	15

संदर्भ ग्रंथ :

1- Feminist Thought : A Comprehensive Introduction Tony Roserway
2- स्त्री उपेक्षिता : सीमोन द बुआ
3- काव्य साहित्य विशेषाक : हंस पत्रिका
4- अम्बेडकर समग्र : प्रकाशन विभाग भारत सरकार
5- हिन्दी में आदिवासी साहित्य : इश्पाक अली
6- भारतीय आदिवासी : लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा
7- आदिवासी साहित्य यात्रा : रमणिका गुप्ता
8- भारतीय आदिवासी उनकी संस्कृति और सामाजिक पृष्ठभूमि : ललित प्रसाद विद्यार्थी
9- आदिवासी भाषा और साहित्य : सम्पादक रमणिका गुप्ता

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. II PAPER (ELECTIVE -A)	SEMESTER : X
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A011002TN**	COURSE TITTE: **समाज – भाषाविज्ञान**	
Course outcomes: छात्रों को समाज – भाषाविज्ञान का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
1.	**इकाई – 1 :** **इकाई – 1 : समाज – भाषाविज्ञान का स्वरूप** ● भाषा और समाज ● हिंदी भाषाई समाज का स्वरूप और क्षेत्र ● सामाजिक संदर्भ और भाषा–वैविध्य ● जातीय गठन की प्रक्रिया और भाषाई समाज	15
2.	**इकाई – 2 : भाषा और संपर्क** ● द्विभाषिकता और बहुभाषिकता ● कोड – मिश्रण और कोड परिवर्तन ● पिजिन और क्रियोल ● भाषाद्वैत ●	15
3.	**इकाई – 3 : भाषा – नियोजन तथा भाषा – विकल्पन** ● भाषा – नियोजन की अवधारणा ● मानकीकरण और आधुनिकीकरण ● भाषा – विकल्पन : प्रयोक्तासापेक्ष विकल्पन ● प्रयोगसापेक्ष विकल्पन – प्रयुक्तिसापेक्ष ● भूमिकासापेक्ष	15
4.	**इकाई – 4 : भाषा और सामाजिक संदर्भ** ● संबोधन – शब्दावली ● रिश्ते नाते की शब्दावली ● रंग– शब्दावली	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास : भोलानाथ तिवारी
2. भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदय नारायण तिवारी
3. भाषा (हिंदी अनुवाद) लैनर्ड ब्लूम फील्ड
4. भाषा विज्ञान की भूमिका रू देवेंद्रनाथ शर्मा
5. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
6. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
7. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
8. भाषाई अस्मिता और हिंदी : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. भाषा और समाज : रामविलास शर्मा

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. II PAPER (ELECTIVE -B)	SEMESTER : X
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A011003TN**	COURSE TITTE: **भाषा प्रौद्योगिकी**	
Course outcomes: छात्रों को भाषा प्रौद्योगिकी का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
1.	**इकाई – 1 :** ● भाषा का अर्थ तथा महत्व ● भाषा और प्रौद्योगिकी का सम्बन्ध ● वर्तमान परिदृश्य में प्रौद्योगिकी की आवश्यकता ● डिजिटल हिन्दी स्वरूप और संभावनायें	15
2.	**इकाई – 2 : हिन्दी टंकण** ● लिपि, ● फाण्ट ● यूनिकोड तथा की–बोर्ड ले आउट ● फाण्ट परिवर्तन ● टंकण संकेत ● हिन्दी में वर्तनी परीक्षण ● वर्तनी परीक्षण प्रणाली : मानक तथा अमानक प्रयोग	15
3.	**इकाई – 3 : लिप्यान्तरण** ● ध्वनि तथा लिपि चिन्ह ● देवनागरी तथा अन्य लिपियाँ ● विशिष्ट वरण तथा लोगोग्राम ● कोश प्रयोग तथा कम्प्यूटर पर कोश निर्माण ● शब्द वर्ग निर्धारण तथा मशीनी संसाधन	15
4.	**इकाई – 4 : हिन्दी की डिजिटल स्थिति** ● परिचय ● उपयोगिता ● प्रयोग विधि ● हिन्दी ई–सामग्री की उपलब्धता ● इन्टरनेट पर हिन्दी डोमेन	15

संदर्भ ग्रंथ :

- भाषा और प्रद्योगिकी : डॉ० विनोद प्रसाद
- हिन्दी भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी : डॉ० दीपक राका तुपे
- हिन्दी का संगणकीय व्याकरण : धनजी प्रसाद
- भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा : डॉ० राजेश तिवारी ''विरल''
- भाषा प्रोग्रामिंग एवं हिन्दी के भाषिक टूल्स : धन जी प्रसाद

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. III PAPER (ELECTIVE -A)	SEMESTER : X
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A011004RN**	COURSE TITTE: **भारतीय साहित्य**	
Course outcomes: छात्रों को भारतीय साहित्य का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
1.	**इकाई – 1 :** ● भारतीय साहित्य का स्वरुप और संकल्पना ●	15
2.	**इकाई – 2 :** ● हिन्दीतर भाषाओं में से किसी एक भाषा के साहित्य एवं भाषिक स्वरूप का अध्ययन ●	15
3.	**इकाई – 3 : काव्य** ● वर्षा की सुबह – सीताकांत महापात्र (उड़िया) (पाँच कविताएँ.) 1. वर्षा की सुबह 2. हम शब्द 3. जाड़े की सांझ समुद्र तट 4. चूल्हे की आग **अथवा** ● सुब्रमण्यम भारती (तमिल) (पाँच कविता) ● वन्दे मातरम् ● यह है भारत देश हमारा ● आजादी का एक पल्लू ● निर्भय ● जा जर्जरित भारत तू जा, आ नवभारत तू आ ●	15
4.	**इकाई – 4 : भारतीय गद्य साहित्य** ● अग्निगर्भ – महाश्वेता देवी (बागला) **अथवा** ● मत्युंजय – शिवाजी सांवत (मराठी)	15

सदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा : विजय शंकर मिश्रा
2. आज का भारतीय साहित्य : साहित्य अकादमी
3. भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा
4. इंद्रप्रस्थ : भारती का भारतीय साहित्य विशेषांक, जुलाई–सितम्बर 2002

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. III PAPER (ELECTIVE -B)	SEMESTER : X
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A011005RN**	COURSE TITTE: **हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य**	
Course outcomes: छात्रों को हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
1.	**इकाई – 1 :** ● हिन्दीतर क्षेत्रों का संक्षिप्त परिचय ● संविधान की अनुसूची में वर्णित हिन्दीतर भाषाओं का सक्षिप्त	15
2.	**इकाई – 2 :** ● उत्तर भारत के हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य तथा कार्यरत संस्थाओं का परिचय ● पूर्वोत्तर भारत के हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य तथा कार्यरत संस्थाओं का परिचय	15
3.	**इकाई – 3 :** ● दक्षिण भारत के हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य तथा कार्यरत संस्थाओं का परिचय	15
4.	**इकाई – 4 :** ● पश्चिमी भारत के हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य तथा कार्यरत संस्थाओं का परिचय ● पूर्वी भारत के हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य तथा कार्यरत संस्थाओं का परिचय	15

संदर्भ ग्रंथ :

1– केरल में हिन्दी भाषा और साहित्य का विकास : डॉ० एन.ई. विश्वनाथ अय्यर
2– हिन्दी के निर्माता : कुमुद शर्मा
3– हिन्दी साहित्य को हिन्दीतर प्रदेशों की देन : डॉ० मलिक मोहम्मद
4– दक्षिण भारत में हिन्दी : रमेश शर्मा

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. IV PAPER (ELECTIVE -A)	SEMESTER : X
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A011006RN**	COURSE TITTE: **समाचार : लेखन और प्रसारण**	
Course outcomes: छात्रों को समाचार : लेखन और प्रसारण का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30

Unit	Topic	No- of Lectures
1.	**इकाई – 1 :** समाचार : अर्थ, अवधारणा और स्वरूप	15
2.	**इकाई – 2 :** रेडियो समाचार : रिपोर्टिंग, कॉपी लेखन एवं प्रसारण, रेडियो समाचार के विभिन्न रूप, समाचार कक्ष और स्टूडियो, रेडियो की भाषा, तकनीकी शब्दावली	15
3.	**इकाई – 3 :** टेलीविजन समाचार : रिसर्च, रिपोर्टिंग, पटकथा लेखन, वॉयस ओवर, निर्माण, ग्राफिक्स प्रसारण, समाचार कक्ष, स्टूडियो और अपलिंकिंग, टी0वी0 समाचार के विविध रूप, टेलीविजन की भाषा, तकनीकी शब्दावली	15
4.	**इकाई – 4 :** वेब समाचार : रिपोर्टिंग, कंटेंट लेखन, संपादन, मोबाइल समाचार, एकीकृत (इंटीग्रेटेड), न्यूजरूम, वेबकास्ट	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. ब्रजमोहन, शैलेश : स्मार्ट रिपोर्टर
2. मुकेश कुमार, श्याम कश्यप : खबरें विस्तार से
3. नवनीत मिश्र : रेडियो
4. वर्तिका नंदा : समाचार संकलन और प्रस्तुति
5. वेदप्रताप वैदिक : हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम
6. नंद किशोर त्रिखा : समाचार संकलन और लेखन
7. मीडिया की बदलती भाषा : अजय कुमार सिंह
8. समाचार सम्पादन : कमल दीक्षित, महेश दर्पण
9. भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया : मधुकर लेले
10. वेब पत्रकारिता : नया मीडिया नए रुझान : शालिनी जोशी, शिवप्रसाद जोशी
11. टीवी एंकरिंग : चौनलों के चेहरे रू श्याम कश्यप, मुकेश कुमार
12. टेलीविजन की कहानी : श्याम कश्यप, मुकेश कुमार

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. IV PAPER (ELECTIVE -B)	SEMESTER : X
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A011007RN**	COURSE TITTE: **लोकसाहित्य और अनुसंधान के आयाम**	
Course outcomes: छात्रों को लोकसाहित्य और अनुसंधान के आयाम का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30
Unit	**Topic**	**No- of Lectures**

1.	**इकाई : 1 –** लोक–साहित्य में परंपरा और परिवर्तन	15
2.	**इकाई : 2 –** लोक–साहित्य के वर्चस्व और प्रतिरोध – पितृसत्ता, जातिसत्ता और धर्मसत्ता के संदर्भ में	15
3.	**इकाई : 3 –** लोक–साहित्य में इतिहास और समकाल की अनुगूँज	15
4.	**इकाई : 4 –** लोक–साहित्य और शास्त्रीय साहित्य का अंतस्संबंध	15

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. प्रसाद, डॉ0 दिनेश्वर, लोक साहित्य और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 1973
2. शर्मा, डॉ0 श्रीराम, लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1973
3. शिवसेना, डॉ0 उषा, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली, 2007
4. उपाध्याय, कृष्णदेव, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, 1957
5. मिश्र, डॉ0 श्रीधर, भोजपुरी लोक साहित्य रू सांस्कृतिक अध्ययन, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज, 1971
6. यावल, डॉ0 वीरेंद्र सिंह, भारत का लोक सांस्कृतिक विमर्श, कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली,2018
7. बिसारिया, डॉ0 पुनीत एवं यादव, डॉ. वीरेंद्र सिंह, भोजपुरी विमर्श, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2009
8. डॉ0 सत्येंद्र, लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल कंपनी, आगरा, 1971
9. बिसारिया, डॉ0 पुनीत, बुन्देली महिमा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2017

10. ध्याय, कृष्णदेव, भोजपुरी लोक का अध्ययन, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1949
11. सत्येन्द्र, ब्रज की लोक कहानियां, ब्रज साहित्य मंडल, मथुरा
12. सत्येन्द्र, ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन, साहित्य रत्न भंडार, आगरा
13. डॉ0 ऋतम्भरा, लोक साहित्य एवं लोक नाट्य, आशा प्रकाशन, कानुपर
14. लेक संस्कृति – संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश

PROGRAMME /CLASS: DEGREE	V YEAR/ P.G. V PAPER (CORE)	SEMESTER : X
Subject : Hindi		
COURSE CODE: **A011008RN**	COURSE TITTE: लधुशोध परियोजना	
Course outcomes: छात्रों को लधुशोध परियोजना का परिचय कराना		
CREDITS: 5	MAX- MARKS: 25+75	MIN- PASSING MARKS: 10+30
Unit	**Topic**	**No- of Lectures**

लधुशोध परियोजनाः–समस्त छात्र/छात्राएं एक लधुशोध परियोजना का चयन करेगें।